जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 273 ● रायपुर, गुरुवार 17 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम हिट एंड रन केस में बड़ा एक्शन, आरोपी कल्याण बैंसला दौसा से गिरफ्तार

गुरुग्राम। गोल्फ कोर्स रोड पर महिला बाइक राइडर को कार से टक्कर मारकर फरार होने के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने आरोपी कल्याण बैंसला को राजस्थान के दौसा से गिरफ्तार कर लिया है। हादसे का वीडियो बाइक पर लगे कैमरे में रिकॉर्ड हुआ था, जो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आया। जांच आगे बढ़ने के साथ पुलिस ने केस में क्ष्हस् की धारा 109 (हत्या के प्रयास) भी जोड़ दी है। सीसीटीवी फुटेज से जांच में मिली अहम जानकारी पुलिस के अनुसार, वीडियो वायरल होने के बाद सेक्टर-56 थाने में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। वीडियो और सीसीटीवी समेत सामने आए अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले में धारा 109 बीएनएसजोड़ी और आरोपी की तलाश शुरू की। इसी जांच के दौरान कल्याण बैंसला को दौसा से गिरफ्तार किया गया। पीड़ित बाइक राइडर सिया के अनुसार, वह रविवार सुबह अपनी अप्रिलिया आरएस 457 बाइक से कुछ अन्य बाइक सवारों के साथ गोल्फ कोर्स रोड से गुजर रही थीं।

बलिया में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर कर हत्या की

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में कुछ लोगों के एक समूह ने लाठियों से पीट-पीटकर 35 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि हमले में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। यह घटना सोमवार रात को मालीपुर गांव से आगे कैथी (मथिया) के पास घटी, जब आरोपियों ने उस मोटरसाइकिल को रोका जिस पर उमेश चौरसिया यात्रा कर रहे थे और उन पर लाठियों से हमला किया। पुलिस के अनुसार, उभाओं थाना क्षेत्र के करणी गांव का निवासी चौरसिया सोमवार देर शाम मालीपुर से पूजा सामग्री लेकर घर लौट रहा था। वह अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर शाम करीब 7-45 बजे कैथी (मठिया) इलाके में पहुंचा। पुलिस ने बताया कि इलाके में घात लगाकर बैठे बदमाशों के एक समूह ने उसकी मोटरसाइकिल रोककर उस पर लाठियों से हमला किया।

भाजपा 18 सितंबर से शुरू करेगी नशा मुक्त पंजाब यात्रा अभियान

पंजाब। भारतीय जनता पार्टी 18 सितंबर से एक बड़ा नशा मुक्त पंजाब यात्रा अभियान शुरू करने जा रही है। इस अभियान में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और शिवराज सिंह चौहान जैसे पार्टी के वरिष्ठ नेता पंजाब भर में हिस्सा लेंगे। नशा मुक्त पंजाब के लिए भाजपा के अभियान को उजागर करने के मकसद से निकाली जा रही यह यात्रा चार दिनों में राज्य के प्रमुख जिलों से होकर गुजरेगी। इसकी शुरुआत पठानकोट से होगी और समापन बठिंडा में होगा। पार्टी के कार्यक्रम के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 18 सितंबर को पठानकोट में यात्रा का नेतृत्व करेंगे।

झीरम घाटी कांड-13 साल बाद एनआईए कोर्ट का बड़ा फैसला

झीरम घाटी नक्सली हमले के 10 दोषियों को फांसी की सजा

जगदलपुर/ जनता के गोठ

झीरम घाटी हत्याकांड मामले में जगदलपुर की एनआईए कोर्ट ने 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर नक्सली हमला हुआ था। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 29 लोगों की मौत हुई थी। करीब 13 साल चली सुनवाई के दौरान 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए और दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लिया गया। जज ने अपने फैसले में कहा है कि आदेश की पुष्टि हाईकोर्ट करेगा। दोषियों को 30 दिन के अंदर हाईकोर्ट में अपील करने का अधिकार है। अभियोजन पक्ष ने दोषियों के लिए फांसी की सजा की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने सजा कम करने की दलील दी थी। 13 साल पहले बस्तर में कांग्रेस अपनी परिवर्तन यात्रा निकाल रही थी। 25 मई 2013 की शाम यह यात्रा सुकमा की ओर से लौट रही थी। काफिला जब दरभा क्षेत्र की झीरम घाटी से गुजर रहा था, तभी माओवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। हमले की शुरुआत आईईडी विस्फोट से हुई। इसके बाद सड़क पर पेड़ गिराकर रास्ता बंद किया गया और जंगल से काफिले पर गोलियां बरसाई गईं। कुछ ही देर में पूरा इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा। नक्सलियों ने नेताओं और सुरक्षाकर्मियों को अलग-अलग कर दिया। माओवादियों का खास निशाना महेंद्र कर्मा थे। नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल और कई अन्य लोगों की भी हत्या कर दी गई। एक ही हमले में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश नेतृत्व के कई प्रमुख नेताओं की मौत हो गई थी। झीरम हमला अचानक लिया गया फैसला नहीं था। इसके लिए कई सप्ताह पहले से तैयारी चल रही थी। माओवादियों की शुरुआती योजना सुकमा के मिनपा क्षेत्र में सुरक्षा बलों की चौकी पर हमला करने की थी। फरवरी 2013 में बीजापुर के पिडिया गांव में हुई बैठक में रणनीति बदली गई। बैठक में फैसला हुआ कि हमला मिनपा के बजाय दरभा क्षेत्र में किया जाएगा। यह निर्णय वरिष्ठ माओवादी कमांडर देवजी की मौजूदगी में लिया गया था। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा का काफिला दरभा क्षेत्र की झीरम घाटी से गुजर रहा था। इसी दौरान माओवादियों ने घात लगाकर हमला किया था। हमले में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं, सुरक्षाकर्मियों और अन्य लोगों समेत 32 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे। एनआईए की विशेष अदालत से मृत्युदंड की सजा मिलने के बाद मामले की अगली कानूनी प्रक्रिया पर भी नजर रहेगी। दोषियों को अदालत के फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील का कानूनी अधिकार है।

हाई कोर्ट के फैसले से मैं संतुष्ट नहीं: टीएस सिंह देव

झीरम घाटी मामले में हाई कोर्ट के फैसले पर टीएस सिंह देव ने कहा कि, हाई कोर्ट के फैसले से मैं संतुष्ट नहीं हूं। झीरम घाटी घटना में अभी तक पूरी तरह न्याय नहीं मिल सका है। पार्टी कार्यक्रम प्रभारी के नाते डीजीपी और आईजी कार्यालय को लिखित में सुरक्षा की सूचना दी गई थी। दो दिनों तक कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था रही, लेकिन तीसरे दिन सुकमा जाते समय रास्ते में सुरक्षा नहीं मिली। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, बार-बार सूचना देने के बावजूद पर्याप्त सुरक्षा नहीं दी गई और हमें नक्सलियों के बीच जाने के लिए छोड़ दिया गया। झीरम घाटी घटना की पूरी जिम्मेदारी तत्कालीन शासन-प्रशासन की है, घटनास्थल पर पर्याप्त सुरक्षा बल क्यों तैनात नहीं था, इसका जवाब मिलना चाहिए।

फैसला आया लेकिन यहां हमको न्याय नहीं मिला

झीरम को लेकर हृद्ध कोर्ट के फैसले को लेकर पीसीसी चीफदीपक बैज ने कहा कि, जो फैसला आया है उसमें 10 लोगों को मृत्यु दंड की सजा हुई है। वह 10 लोग हैं कौन? यह 10 लोगों वो है जो बड़े नक्सलियों के लिए झोला उठाने वाले ,राशन उठाने का काम करने वाले इनको सजा दी गई है। सबसे बड़ा सवाल यही है बड़े नक्सली तो सरकार की गोद में है? सरकार के संरक्षण में है उनको सजा कब मिलेगी? फैसला आया लेकिन यहां हमको न्याय नहीं मिला है। असली न्याय तब मिलेगा जब सरकार के षड्यंत्र कारों को फांसी होगी। सरकार अपने बड़े नक्सलियों को बचाने का काम कर रही है। ताकि उनके षड्यंत्र की पोल न खुले। जिनको सजा होनी चाहिए थी उन्हें सजा नहीं हुई।जिन्हें सजा नहीं होनी चाहिए उन्हें हुई है।

शी जिनपिंग की तबीयत पर बड़ा दावा

भारत से लौटते ही इमरजेंसी इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचे जिनपिंग...

नई दिल्ली/ एजेंसी

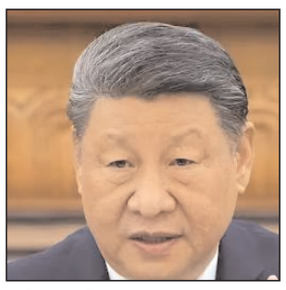

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तबीयत पर बड़ा दावा किया गया है। बिक्रश समिट में हिस्सा लेने के बाद भारत से लौटने ही इमरजेंसी इलाज के लिए शी जिनपिंग को हॉस्पिटल ले जाया गया था। इतना ही नहीं, बिक्रश समिट के दौरान भी शी जिनपिंग की सेहत बिगड़ गई थी। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सेहत को लेकर ये बड़ा दावा चीनी लोकतंत्र पार्टी ने किया है। चीनी लोकतंत्र पार्टी के चेयरमैन जी वानजुन ने कहा कि बिक्रश समिट से लौटने के बाद जिनपिंग को बीजिंग एयरपोर्ट से सीधे अस्पताल ले जाया गया था। उन्हें सैन्य हेलीकॉप्टर के जरिए बीजिंग 301 अस्पताल ले जाया गया था। उनका दावा है कि जिनपिंग को अस्पताल में इमरजेंसी इलाज किया गया था। वानजुन ने दावा किया है कि जिनपिंग के चीन लौटने पर बीजिंग एयरपोर्ट पर सामान्य तौर पर दिखाई देने वाला आधिकारिक स्वागत नहीं हुआ। उनके मुताबिक, न तो बड़ी संख्या में अधिकारी एयरपोर्ट पर मौजूद थे और न ही कोई औपचारिक स्वागत समारोह हुआ। सीडीपी के चेयरमैन जी वानजुन ने इससे आगे दावा किया है कि नई दिल्ली में बिक्रश के दौरान भी जिनपिंग की तबीयत अचानक बिगड़ी थी और उन्हें उनके साथ मौजूद मेडिकल टीम ने संभाला था। उनके मुताबिक, इसी वजह से जिनपिंग ने अपनी भारत यात्रा कथित तौर पर तय कार्यक्रम से पहले समाप्त कर दी थी। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। जिनपिंग के 301 अस्पताल में भर्ती होने, आपातकालीन उपचार दिए जाने या सैन्य हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाए जाने की पुष्टि चीन सरकार या फिर 301 अस्पताल प्रबंधन ने नहीं की है।

घर में रखे फ्रिज में जोरदार धमाके के बाद लगी भीषण आग

बेलागावी। कर्नाटक के बेलगावी शहर में सोमवार देर रात अग्निकांड में एक ही परिवार के चार सदस्यों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना शहर के चवहत गली इलाके की है और मार्केट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य रात के समय घर के अंदर मौजूद थे। इसी दौरान घर में रखे फ्रिज में अचानक धमाका हुआ। धमाके के बाद फ्रिज में आग लग गई ।

यूपीआई चार्ज पर भड़के आप

केन्द्र सरकार ने संसद में झूठ बोला-संजय सिंह...

नई दिल्ली/ एजेंसी

यूपीआई में प्रस्तावित चार्ज को लेकर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि इस फैसले से छोटे कारोबारी बर्बाद हो जाएंगे। यूपीआई पर प्रस्तावित चार्ज के बारे में ,क्क सांसद संजय सिंह ने कहा सरकार ने संसद में झूठ बोला। मैंने पहले ही कहा था कि छोटे कारोबारियों पर इसका असर पड़ेगा। लेकिन सरकार ने बात नहीं मानी और जवाब में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि किराने की दुकान वाले छोटे व्यापारियों को कोई टैक्स नहीं देना होगा। आप ही बताइए, अगर आप किराने का सामान खरीदने जाते हैं, तो क्या आप 2,000 रुपये से ज्यादा की खरीदारी नहीं करेंगे अगर आप लखनऊ से अयोध्या के लिए टैक्सी बुक करते हैं।

भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ का खतरा

सरकार की विदेश और व्यापार नीति बुरी तरह फेल-मल्लिकार्जुन

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिका की संसद में आज एक महत्वपूर्ण बिल पर अंतिम वोटिंग होनी है, इसके बाद इस बिल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास कानून बनाने के लिए भेजा जाएगा। इस बिल के पास हो जाने से राष्ट्रपति के पास रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा। माना जा रहा है कि ट्रंप भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं। इसी बीच इसे लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे सरकार की विदेश और व्यापार नीतियों नाकामी बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, आपके प्यारे दोस्त अबकी बार ट्रंप सरकार का हुक्म चलता है, आप घुटने टेक देते हैं और नतीजा 140 करोड़ भारतीयों को भुगतना पड़ता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि भारतीय सामान पर 100 प्रतिशत तक अमेरिकी टैरिफ की धमकी दिखाती है कि आपकी सरकार की विदेश और व्यापार नीतियां कितनी बुरी तरह फेल हो गई हैं। खरगे ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग का सामान, केमिकल, ऑटो पार्ट्स, रत्न और आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक्नोलॉजी सेक्टर को इस भारी भरकम टैरिफ का जबरदस्त झटका लग सकता है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा पहले 25 प्रतिशत टैरिफ आया, फिर 50 प्रतिशत, और अब 100 प्रतिशत का खतरा है।

राजौरी में आतंकी नेटवर्क पर पुलिस का शिकंजा....

राजौरी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राजौरी में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े ओवर ग्राउंड वर्कर नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी आतंकवादियों को लॉजिस्टिकल सपोर्ट देने, उनकी सुरक्षित आवाजाही में मदद करने और जमीनी स्तर पर अन्य सहायता उपलब्ध कराने में कथित तौर पर शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जाकिर हुसैन पुत्र गुलाम हुसैन निवासी कोटचरवाल टेरियाथ, राजौरी, मोहम्मद आजम पुत्र अली बहादुर निवासी कोटचरवाल टेरियाथ, राजौरी और मोहम्मद मुश्ताक पुत्र मोहम्मद इकबाल निवासी उधान, राजौरी के रूप में हुई है।

मुंबई में लालबागचा राजा के दर पर पहुंचे बीजेपी अध्यक्ष

भारत के विकास में महाराष्ट्र का अहम योगदान: नितिन नबीन.....

मुंबई/ एजेंसी

गणेशोत्सव के पावन पर्व पर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भक्ति और राजनीति का अद्भुत संगम देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन अपने मुंबई प्रवास के दौरान आस्था के रंग में रंगे नजर आए। अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार महाराष्ट्र पहुंचे नितिन नबीन ने करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र लालबागचा राजा और प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। मुंबई पहुंचते ही नितिन नबीन का स्वागत गणेशोत्सव के जयकारों के साथ हुआ। सबसे पहले वे प्रभादेवी स्थित प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विघ्नहर्ता भगवान गणेश का विधिवत पूजन-अभिषेक किया और देशवासियों की समृद्धि की कामना की। इसके तुरंत बाद वे लालबागचा राजा के दरबार में पहुंचे। राजा के चरणों में लीन होकर उन्होंने देश की अखंडता, प्रगति, लोककल्याण और जन-सामान्य की उन्नति के लिए बाप्पा से प्रार्थना की। महाराष्ट्र दौरे पर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का बेहद गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फ्हणवीस ने उनकी अगवानी की और स्नेहपूर्वक स्वागत किया। इस दौरान भाजपा मुंबई अध्यक्ष व विधायक अमित साटम, कैबिनेट मंत्री एड. आशीष शेलार, मंत्री जयकुमार रावल, मुंबई की महापौर रितु तावडे समेत पार्टी के कई वरिष्ठ विधायक और पदाधिकारी उपस्थित थे।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

पीएम के लिए बेसिक सैलरी लिमिट 15,000 से बढ़कर 25,000

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि यानी ईपीएफ को पर मोदी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मोदी सरकार ने पीएफ के लिए बेसिक सेलरी लिमिट 15000 से बढ़ाकर 25 हजार कर दी है। अब कंपनियों को 25 हजार रुपए तक की बेसिक सैलरी वाले कर्मचारियों को पीएफ के दायरे में शामिल करना ही होगा। मोदी कैबिनेट की बैठक में पीएफ पर बेसिक सैलरी लिमिट बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इससे 51 लाख कर्मचारियों को पीएफ बचत और पेंशन का सीधा फायदा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि पहले 15 हजार रुपए से ज्यादा बेसिक सेलरी वाले कर्मचारियों का पीएफ कटना या न कटना उनकी मर्जी पर डिपेंड करता था। नए आदेश से 25 हजार रुपए की लिमिट होने के बाद पीएफ कटने से कर्मचारी की सेविंग बढ़ेगी और रिटायरमेंट पर बड़ा फंड मिलेगा। इस पर भारत सरकार का अनुमानित खर्च हर साल लगभग 11,339 करोड़ रुपये होगा। आसान भाषा में समझें तो अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी + महंगाई भत्ता अगर 25,000 या उससे कम है, तो कंपनी को उस कर्मचारी को ईपीएफ में शामिल करना अनिवार्य है। अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और डीए मिलाकर 25,000 या उससे कम है, तो उसे ईपीएफ के दायरे में शामिल करना कंपनी के लिए जरूरी होगा। वहीं, अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी +डीए 25,000 से ज्यादा है और वह पहली बार नौकरी कर रहा है यानी पहले से ईपीएफ का सदस्य नहीं है, तो उसके लिए

ईपीएफ में शामिल होना अनिवार्य नहीं होगा। ऐसे कर्मचारी के पास ईपीएफ लेने या नहीं लेने का विकल्प रहेगा। यहां एक बात यह भी समझना जरूरी है कि ईपीएफ में अनिवार्य योगदान की वेतन सीमा 15,000 ही रहेगी। यानी कंपनी और कर्मचारी का अनिवार्य ईपीएफ योगदान 15,000 तक की सैलरी के हिसाब से ही तय होगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और डीए मिलाकर 20,000 है, तो उसे ईपीएफ में शामिल करना अनिवार्य होगा, लेकिन अनिवार्य योगदान 15,000 की सीमा तक ही होगा। इस फैसले से सरकारी खजाने पर भी अतिरिक्त खर्च आएगा। सरकार ने अनुमान लगाया है कि इससे सालाना करीब 11,339 करोड़ का सरकारी खर्च होगा, जबकि मौजूदा बजटीय सहायता करीब 10,250 करोड़ है। पांच साल में अनुमानित खर्च लगभग 56,696 करोड़ बताया गया है। ईपीएफओ पहले से ही भारत की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाओं में शामिल है और करोड़ों कर्मचारियों तथा पेंशनरों को कवर करता है। आपको बता दें कि 15,000 से 25,000 की वेतन सीमा बढ़ना लाखों कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा के दायरे को बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण बदलाव है। हालांकि, कर्मचारियों के लिए इसका वास्तविक वित्तीय असर इस बात पर निर्भर करेगा कि नए नियमों के तहत योगदान की कैलकुलेशन कैसे होती है और वेतन संरचना पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है।

17 सितंबर से लागू होगी नई लिमिट....

सरकार के मुताबिक, ईपीएफओ की नई वेज सीलिंग 17 सितंबर 2026 से लागू होगी। इसके बाद पीएफ कवरेज के लिए बेसिक सैलरी की सीमा 15,000 से बढ़कर 25,000 प्रति माह हो जाएगी। यानी 15,000 से 25,000 के बीच बेसिक सैलरी पाने वाले नए कर्मचारियों का एक बड़ा हिस्सा ईपीएफओ के अनिवार्य सोशल सिक्योरिटी कवरेज के दायरे में आ सकेगा। ईपीएफओ की वेज सीलिंग लंबे समय तक नहीं बदली थी। सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 प्रति माह किया गया था। अब सरकार ने इसे बढ़ाकर 25,000 करने का फैसला किया है। सरकार का कहना है कि यह बदलाव मौजूदा वेतन स्तर, आय में बढ़ोतरी और फॉर्मल रोजगार के विस्तार को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

भाजपा के वादे का सच: पीएससी में सही-गलत एक समान, युवाओं का भविष्य दांव पर- विक्रम मंडावी

पीएससी और भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है- विक्रम मंडावी

सही-गलत उत्तर पर बराबर नंबर, कहीं गलत जवाब पर ज्यादा अंक; साक्षात्कार में 1:3 नियम का पालन नहीं- विक्रम मंडावी

प्रेम कुमार दुर्गम

जिला ब्यूरो प्रमुख बीजापुर

बस्तर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर ने जिला मुख्यालय बीजापुर में प्रेस वार्ता आयोजित कर कांग्रेस ने कि राज्य लोक सेवा आयोग (पीएससी) पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया है। विधायक विक्रम मंडावी ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि एक ही प्रश्न के सही और गलत उत्तर देने वाले अभ्यर्थियों को बराबर अंक दिए गए हैं, कुछ मामलों में गलत उत्तर लिखने वाले को सही उत्तर वाले से ज्यादा नंबर मिले हैं। आयोग साक्षात्कार में 1:3 के निर्धारित नियम का पालन भी नहीं कर रहा है। उन्होंने आगे कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने वादा किया था कि यूपीएससी की तर्ज पर पीएससी परीक्षा आयोजित कराई जाएगी, लेकिन पिछले दो वर्षों से परीक्षाओं में गड़बड़ियां लगातार सामने आ रही हैं।

विधायक विक्रम मंडावी ने कहा वर्ष 2025 में पीएससी ने कुल 265 पद निकाले थे। मुख्य परीक्षा के बाद पदों की संख्या के तीन गुना, यानी 265 म 3 = 795 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाना चाहिए था। लेकिन मात्र 608 अभ्यर्थी ही इंटरव्यू तक पहुंच सके। आयोग का तर्क है कि 187 बच्चे न्यूनतम अंक नहीं ला सके। उन्होंने आयोग से मांग की है कि वह साबित करे कि इन 187 अभ्यर्थियों ने न्यूनतम अंक नहीं प्राप्त किए। अभ्यर्थियों का दावा है कि उनका न्यूनतम अंक आया ही

होगा। इसलिए आयोग साक्षात्कार से पहले सभी बच्चों की उत्तर-पुस्तिका उपलब्ध कराए।

विधायक विक्रम मंडावी ने 2024 की मुख्य परीक्षा की दो अभ्यर्थियों की उत्तर-पुस्तिकाओं का हवाला देते हुए मूल्यांकन में गंभीर अनियमितता का आरोप लगाते हुए कहा, प्रश्न क्रमांक 5(द्व) में दोनों अभ्यर्थियों के उत्तर सही और समान थे, फिर भी एक छात्र को 2 में से 0 अंक और दूसरे को 2 में से 2 अंक दिए गए।

÷भक्तिन माता राजिम÷ वाले प्रश्न में सही उत्तर लिखने वाले छात्र को 8 में से 3.5 अंक मिले, जबकि गलत उत्तर (कोण्डागांव व आदिवासी समाज की देवी) लिखने वाले को 1.5 अंक दिए गए। गलत उत्तर पर शून्य मिलना चाहिए था।

छत्तीसगढ़ में होमरूल लीग की स्थापना पर सही उत्तर लिखने वाले को 4 में से 2.5 अंक मिले। दूसरे छात्र ने वर्ष 1923 और स्वराज दल लिखा, जो पूरी तरह गलत था, फिर भी उसे भी 2.5 अंक दिए गए।

घरेलू हिंसा से व्यथित व्यक्ति वाले प्रश्न में गलत उत्तर (पुरुष) लिखने वाले को 2 में से 0.5 अंक मिले और सही उत्तर लिखने वाले को भी 0.5 अंक ही दिए गए।

बौद्ध धर्म में महाभिनिष्क्रमण का दोनों ने सही उत्तर लिखा। एक को 2 में से 0.5 और दूसरे को 1.5 अंक मिले।

उन्होंने कहा कि सही और गलत उत्तर को बराबर नंबर देना मूल्यांकन की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करता है।

विधायक विक्रम मंडावी का आरोप है कि 2024 में पीएससी अध्यक्ष रीता सांडिल्य के कार्यकाल में गड़बड़ी हुई थी और 2025 में भी उनकी अध्यक्षता में वही स्थिति बनी हुई है। 2024 में उत्तर-पुस्तिकाओं की जांच अपात्र स्कूली शिक्षकों (शिक्षक एलबी) से कराई गई। मूल्यांकनकर्ताओं के नाम और नंबर भी सार्वजनिक हो गए, जो भर्ती परीक्षा की गोपनीयता का उल्लंघन है। गोपनीयता भंग करने वालों को सजा देने के बजाय रीता सांडिल्य को कार्यकारी अध्यक्ष से प्रमोट कर अध्यक्ष बना दिया गया। विधायक विक्रम मंडावी कहा कि इन गड़बड़ियों को भारतीय जनता पार्टी और सरकार का संरक्षण प्राप्त है।

उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा कि राज्य सेवा परीक्षा 2024 में भी मुख्य परीक्षा परिणाम के बाद साक्षात्कार के लिए 95 अभ्यर्थी कम लिए गए थे। उस समय भी 1:3 के नियम का पालन नहीं किया गया था।

विधायक विक्रम मंडावी ने सरकार और आयोग से 1- मामले के निराकरण तक साक्षात्कार स्थगित किए जाने। 2- सभी अभ्यर्थियों की उत्तर-पुस्तिकाएं साक्षात्कार से पहले सार्वजनिक की जाएं; ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कापियां सही जांची गई हैं।

तलवार लेकर रिल बनाना पड़ युवक को महंगा, पुलिस ने रियाल कारवाई कर आरोपी को सिखाया सबक

कवर्धा। कबीरधाम जिले के पंडरिया में धारदार हथियार लहराकर लोगों को धमकाने और सोशल मीडिया पर धमकी भरी रील बनाने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से धारदार फरसा बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार, 15 सितंबर को पंडरिया पुलिस को सूचना मिली कि वार्ड नंबर-3 गोपीबंदपारा निवासी हेमंत कुमार धावलकर (27) धारदार हथियार लेकर नगर क्षेत्र में घूम रहा है। आरोपी द्वारा इंस्टाग्राम पर रील बनाकर पंडरिया आने वाले लोगों को धमकी दिए जाने की शिकायत भी पुलिस को मिली थी। सोशल मीडिया पर हथियार लहराते हुए वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की।

थाना प्रभारी निरीक्षक अजय सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। टीम ने कुकदूर रोड स्थित शराब भट्ठी के पास आरोपी को धारदार हथियार

लहराते हुए लोगों को धमकाते हुए पकड़ा। पुलिस ने हथियार रखने के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए आरोपी को धारा 94 बीएनएसएस के तहत नोटिस दिया। आरोपी द्वारा हथियार रखने का कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज नहीं होना बताए जाने पर पुलिस ने उसके कब्जे से धारदार फरसा जब्त कर लिया।

पंडरिया पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट एवं धारा 351(3) BNS के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, सूचना मिलने के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

मेडिकल कॉलेज कवर्धा में नए शैक्षणिक सत्र का हुआ ऐतिहासिक शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री और सांसद ने विद्यार्थियों का किया स्वागत, विद्यार्थियों से जानी तैयारी और सफलता की कहानी

कवर्धा, कबीरधाम जिले की चिकित्सा शिक्षा के इतिहास में आज का दिन ऐतिहासिक बन गया। शासकीय मेडिकल कॉलेज कवर्धा में प्रथम शैक्षणिक सत्र और प्रथम बैच की पढ़ाई का शुभारंभ हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा और सांसद संतोष पाण्डेय ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का एप्रॉन, स्टेथोस्कोप, पेन और गुलाब का फुल देकर स्वागत किया। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ अपने नए शैक्षणिक जीवन की शुरुआत की। मेडिकल कॉलेज के इतिहास के इस पहले दिन विद्यार्थियों ने अतिथियों के साथ अपने संघर्ष, तैयारी और सपनों को साझा किया।

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने बड़ा लक्ष्य रखा और डॉक्टर बनने का सपना देखा है। लेकिन

डॉक्टर बनना ही अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए। लक्ष्य केवल एक पड़ाव नहीं, बल्कि निरंतर आगे बढ़ने की यात्रा है। हमारा उद्देश्य केवल डॉक्टर बनना नहीं, बल्कि डॉक्टर बनकर समाज के लिए अच्छा कार्य करना होना चाहिए। जिस परिवार और समाज ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर दिया है, उसके प्रति सेवा का भाव हमेशा बनाए रखना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने लक्ष्य की तैयारी निरंतर जारी रखें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान अनावश्यक तनाव नहीं होना चाहिए। सफलता किसी एक व्यक्ति का परिणाम नहीं होती, बल्कि परिवार और सभी के संयुक्त प्रयासों से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे डॉक्टर बनने और समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

सांसद संतोष पाण्डेय ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से कवर्धा में मेडिकल कॉलेज के प्रथम बैच का शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुविधाओं के विस्तार पर कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने कहा कि विद्यार्थियों ने कठिन मेहनत के बाद यहां तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की है, लेकिन यह अंत नहीं, बल्कि शुभारंभ है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति डॉक्टर के पास आता है, तो उसके मन में स्वस्थ होने की उम्मीद होती है। इसलिए चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा भाव और संवेदनशीलता सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए। इस अवसर पर राजेन्द्र चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, अधिष्ठाता डॉ प्रतिभा जैन शाह, सीएमएचओ डॉ देवेन्द्र तूरे सहित जनप्रतिनिधि और डॉक्टर उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से किया संवाद, जानी तैयारी और सफलता की कहानी- प्रथम बैच के विद्यार्थियों के शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी तैयारी, पढ़ाई की दिनचर्या, कोचिंग के अनुभव और प्रवेश परीक्षा के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने भी खुलकर अपनी तैयारी और सफलता की कहानी साझा की। किसी ने ऑनलाइन कोचिंग के माध्यम से तैयारी की, तो किसी ने लाइब्रेरी में स्व-अध्ययन को आधार बनाया। राजनांदगांव निवासी अतिथि देवांगन दूसरे प्रयास में सफल हुई। उन्होंने बताया कि पिता ने कभी निराश नहीं होने दिया, बल्कि गलतियों को पहचानकर सुधार करने और लगातार प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं भूपेंद्र सिंह ने ऑनलाइन कोचिंग से तैयारी की, जबकि कवर्धा के धरमपुरा निवासी आकाश धुर्वे ने लाइब्रेरी में स्व-अध्ययन कर सफलता हासिल की। भिलाई निवासी हर्षिता तीसरे प्रयास में सफल हुई। भिलाई निवासी अंशिता सिंह के पिता ने बताया कि बेटी की तैयारी में उन्होंने मार्गदर्शन के साथ मॉक टेस्ट में सहयोग किया। उन्होंने कहा कि भिलाई का पढ़ाई के लिए अच्छा माहौल भी तैयारी में सहायक रहा। उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से यह भी जाना कि वे प्रतिदिन कितने घंटे पढ़ाई करते थे और किताबों तथा डिजिटल स्क्रीन का कितना उपयोग करते थे। विद्यार्थियों ने बताया कि वे करीब 8 घंटे पुस्तकों से और 3 से 4 घंटे डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से पढ़ाई करते थे। एक विद्यार्थी ने किताब और स्क्रीन के उपयोग का अनुपात 50-50 प्रतिशत बताया।

उमरपोटी बोगदा पुल के पास गांजा बेचते आरोपी को उतई पुलिस ने दबोचा , 2.12 किलो गांजा जब्त

अंचल वर्मा - उतई , दुर्ग। जनता के गोठ। ।। दुर्ग - नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उतई पुलिस ने उमरपोटी बोगदा पुल के पास कार्रवाई करते हुए गांजा बिक्री के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 किलो 12 ग्राम गांजा, 4,010 रुपये नगद और परिवहन में प्रयुक्त टीवीएस जूपिटर (छ्त्र 07 छ्ड्ड 0302) बरामद किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 1 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 16 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि उमरपोटी बोगदा पुल के पास एक व्यक्ति गांजा बेच रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदेह

के आधार पर एक व्यक्ति को पकड़ा।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम भूपेन्द्र उर्फ राजू गायकवाड़ (38 वर्ष) निवासी भाठापारा वार्ड क्रमांक 13, ग्राम परसदा, थाना गुण्डरदेही, जिला बालोद बताया। नियमानुसार तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद क्रीम रंग के थैले से 2 किलो 12 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने नगदी और वाहन भी जब्त किया।

पाटन में दिव्यांगजनों और वरिष्ठजनों के लिए मूल्यांकन शिविर, 73 का पंजीयन

संदीप मिश्रा की खबर

पाटन।(जनता के गोठ) जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मूल्यांकन, परीक्षण एवं चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नगर पालिका निगम भिलाई-चरोदा, नगर पंचायत पाटन तथा जनपद पंचायत पाटन की सभी ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया। शिविर का आयोजन सामुदायिक देवांगन भवन में किया गया। इसमें कुल 73 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन किया गया। परीक्षण के बाद जरूरत के अनुसार विभिन्न सहायक उपकरणों के लिए कुल 74 सामग्रियों का चिन्हांकन किया गया। दिव्यांगजनों

के लिए मोटराइज्ड ट्रायसायकल, ट्रायसायकल, बैसाखी, व्हीलचेयर सहित विभिन्न उपकरणों तथा वरिष्ठजनों के लिए श्रवण यंत्र, कमोड चेयर आदि सहायक उपकरणों का चिन्हांकन किया गया। शिविर में सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, कमलेश वर्मा, जनपद पंचायत पाटन के उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा तथा समाज कल्याण विभाग के नोडल अधिकारी जगत राम ठाकुर सहित एलिम्को रायपुर की चिकित्सकीय टीम, नगर पंचायत पाटन के कर्मचारी, समाज कल्याण विभाग एवं जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। समाज शिक्षा संगठक भूमिका गोपाल सहित विभागीय कर्मचारियों ने भी शिविर में सहयोग किया।

साइड देने के चक्कर में सड़क किनारे धंसी गुरुनानक बस, बाल-बाल बचे यात्री

रोहित यादव / बलरामपुर (जनता के गोठ) : अंबिकापुर से रामानुजगंज जा रही गुरुनानक बस सुबह 9 बजे के करीब बुधवार को चलगली ग्रामीण बैंक के पास उस समय हादसे का शिकार होते-होते बच गई, जब सामने से आ रही दुर्गा बस को साइड देने के दौरान गुरुनानक बस का पहिया सड़क किनारे धंस गया।

सड़क के किनारे का हिस्सा कमजोर होने के कारण बस एक तरफ झुक गई और यात्रियों में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। हालांकि चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को नियंत्रित कर लिया, जिससे चालक, परिचालक सहित बस में सवार यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस स्थान पर यह घटना हुई, वहां सड़क का किनारा काफी कमजोर और संकरा है। दो बड़ी बसों के एक साथ गुजरने के दौरान साइड देने में खतरा बना रहता है।

बड़ा सवाल: सड़क किनारे सुरक्षा का इंतजाम कब? यह घटना एक बार फिर सड़क की चौड़ाई, किनारों की मजबूती और यातायात सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। अगर बस का पहिया थोड़ा और धंस जाता या चालक का नियंत्रण बिगड़ता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन हादसे ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जरूर खड़ी कर दी है।

पंडरिया के 11 हजार से अधिक गन्ना किसानों को रियायती दर पर चीनी, सड़क की भी सौगात

कवर्धा। बढ़ती चीनी की कीमतों के बीच पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के गन्ना किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना के 11 हजार से अधिक शेयरधारी किसानों को रियायती दर पर चीनी का वितरण किया गया। किसानों को 30 रुपये प्रति किलो की दर से 50 किलो चीनी दी गई। रियायती दर पर चीनी मिलने से किसानों में खुशी नजर आई।

इस दौरान शक्कर कारखाना परिसर में सरदार वल्लभ भाई पटेल की भव्य प्रतिमा स्थापना के लिए भूमिपूजन भी किया गया। जल्द ही कारखाना परिसर में सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

कार्यक्रम में विधायक भावना बोहरा ने कहा कि वर्ष 2024-25 और 2025-26 की रिकवरी राशि किसानों को उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि पंडरिया के किसानों को अब तक की सबसे बड़ी एकमुश्त राशि उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। साथ ही शक्कर

कारखाना को देश के अग्रणी कारखानों में शामिल करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

किसानों की उत्पादकता और आमदनी बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र से गन्ने की उन्नत किस्म का बीज भी लाया गया है। किसानों को उन्नत बीज अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि गन्ने की पैदावार बढ़ने के साथ आय में भी वृद्धि हो सके।

वहीं, किसानों की लंबे समय से चली आ रही सड़क की मांग पर भी पहल की गई है। करोड़ों रुपये की लागत से करीब तीन किलोमीटर सड़क निर्माण को स्वीकृति दी गई है। सड़क बनने से किसानों को खेतों से शक्कर कारखाना तक गन्ना ट्रैक्टर के माध्यम से पहुंचाने में सुविधा होगी।

कार्यक्रम के दौरान किसानों ने गन्ने के बोनस की राशि बढ़ाने की मांग भी विधायक के सामने रखी। विधायक भावना बोहरा ने भरोसा दिलाया कि किसानों की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष रखी जाएगी और बोनस राशि बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

डॉक्टर बनना मंजिल नहीं, समाज की सेवा करना असली लक्ष्य - उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा

रायपुर, 16 सितंबर 2026

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने बड़ा लक्ष्य रखा और डॉक्टर बनने का सपना देखा, लेकिन डॉक्टर बनना ही अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए। लक्ष्य केवल एक पड़ाव नहीं, बल्कि निरंतर आगे बढ़ने की यात्रा है। हमारा उद्देश्य केवल डॉक्टर बनना नहीं, बल्कि डॉक्टर बनकर समाज के लिए अच्छा कार्य करना होना चाहिए।

कबीरधाम जिले की चिकित्सा शिक्षा के इतिहास में आज का दिन ऐतिहासिक बन गया। शासकीय मेडिकल कॉलेज कवर्धा में प्रथम शैक्षणिक सत्र और प्रथम बैच की पढ़ाई का शुभारंभ हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा और सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का एप्रॉन, स्टेथोस्कोप, पेन और गुलाब का फुल देकर स्वागत किया। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ अपने

नए शैक्षणिक जीवन की शुरुआत की। मेडिकल कॉलेज के इतिहास के इस पहले दिन विद्यार्थियों ने अतिथियों के साथ अपने संघर्ष, तैयारी और सपनों को साझा किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि जिस परिवार और समाज ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर दिया है, उसके प्रति सेवा का भाव हमेशा बनाए रखना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने लक्ष्य की तैयारी निरंतर जारी रखें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान अनावश्यक तनाव नहीं होना चाहिए। सफलता किसी एक व्यक्ति का परिणाम नहीं होती, बल्कि परिवार और सभी के संयुक्त प्रयासों से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे डॉक्टर बनने और समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से कवर्धा में मेडिकल कॉलेज के प्रथम बैच का शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुविधाओं के विस्तार पर कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने कहा कि विद्यार्थियों ने कठिन मेहनत के बाद यहां तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की है, लेकिन यह अंत नहीं, बल्कि शुभारंभ है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति डॉक्टर के पास आता है, तो उसके मन में स्वस्थ होने की उम्मीद होती है। इसलिए चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा भाव और संवेदनशीलता सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए। प्रथम बैच के विद्यार्थियों के शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी तैयारी, पढ़ाई की दिनचर्या, कोचिंग के अनुभव और प्रवेश परीक्षा के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने भी खुलकर अपनी तैयारी और सफलता की कहानी साझा की। किसी ने ऑनलाइन कोचिंग के माध्यम से तैयारी की, तो किसी ने लाइब्रेरी में स्व-अध्ययन को आधार बनाया। संवाद के दौरान राजनांदगांव निवासी अतिथि देवांगन दूसरे प्रयास में सफल हुई। उन्होंने बताया कि पिता ने कभी निराश नहीं होने दिया, बल्कि गलतियों को पहचानकर सुधार करने और लगातार प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं भूपेंद्र सिंह ने ऑनलाइन कोचिंग से तैयारी की, जबकि कवर्धा के धरमपुरा निवासी आकाश धुर्वे ने लाइब्रेरी में स्व-अध्ययन कर सफलता हासिल की। भिलाई निवासी हर्षिता तीसरे प्रयास में सफल हुई। भिलाई निवासी अंशिता सिंह के पिता ने बताया कि बेटी की तैयारी में उन्होंने मार्गदर्शन के साथ मॉक टेस्ट में सहयोग किया।

41वां चक्रधर समारोह:

राज्यसभा सांसद राजा देवेंद्र प्रताप सिंह और महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने ली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की आनंदमयी अनुभूति

सांस्कृतिक धरोहर : देश-विदेश व विभिन्न राज्यों से पहुंचे कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां।

जनसैलाब : रामलीला मैदान में हजारों की संख्या में उमड़े कला और संगीत प्रेमी।

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायगढ़: रायगढ़ के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित 41वें चक्रधर समारोह की पावन संध्या में राज्यसभा सांसद श्री राजा देवेंद्र प्रताप सिंह तथा छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने विशेष रूप से शिरकत की। अतिथियों ने कार्यक्रम में शामिल होकर देश और विभिन्न राज्यों से आए ख्यातिप्राप्त कलाकारों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का रसास्वादन किया और उनका उत्साहवर्धन किया।

समृद्ध लोककला एवं विरासत का प्रतीक

इस अवसर पर अतिथियों ने चक्रधर समारोह को छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, संगीत और अनूठी सांस्कृतिक विरासत का गौरवपूर्ण उत्सव बताया। संगीत सम्राट महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित होने वाला यह समारोह भारतीय कला परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन और नए कलाकारों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने का एक अनुपम माध्यम है।

हजारों दर्शकों से गुलजार रहा रामलीला मैदान

समारोह के दौरान कलाकारों द्वारा प्रस्तुत शास्त्रीय एवं लोक कला की विविध विधाओं ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस गरिमामय संध्या का गवाह बनने के लिए रायगढ़ शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में गणमान्य नागरिक, प्रबुद्धजन और कला-संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे, जिन्होंने करतल ध्वनि से कलाकारों का तालियों के साथ स्वागत किया।

जमुनिया नदी में मिला सरकारी स्कूल के चपरासी की लाश, दो दिनों से था युवक लापता

कवर्धा। कबीरधाम जिले के रेंगाखार थाना क्षेत्र में जमुनिया नदी में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्राम रोल के पास नदी के पानी में युवक का शव डूबा हुआ मिला। सूचना मिलने पर रेंगाखार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू की।

मृतक की पहचान राजेंद्र धुर्वे पिता मानसिंह, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम नगवाही के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राजेंद्र धुर्वे शासकीय हाई स्कूल झलमला में चपरासी के पद पर कार्यरत था।

पुलिस से जानकारी के अनुसार, 13 सितंबर को मृतक की पत्नी तीजा पर्व के लिए अपने मायके गई थी। इसके बाद राजेंद्र घर से बाहर निकला था। परिजनों द्वारा उसकी तलाश की जा रही थी। इसी बीच ग्राम रोल के पास जमुनिया नदी में एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराई, जिसके बाद मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस के अनुसार, शव करीब दो से तीन दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। प्रथम दृष्टया युवक की मौत नदी के पानी में डूबने से होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम सहित अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही युवक की मौत की परिस्थितियां स्पष्ट हो पाएंगी।

सतलावंड में एक दिवसीय सेवा शिविर आयोजित, ग्रामीणों को गांव में ही मिली विभिन्न सेवाएं

सरपंच संतोष कश्यप की पहल, श्रमिक कार्ड, पीएम किसान ई-केवाईसी सहित पांच सेवाओं का मिला लाभ

भुजबल बघेल बकावंड जनता के गोठ। विकासखंड बकावंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत सतलावंड में सरपंच संतोष कश्यप की पहल एवं नेतृत्व में मंगलवार को एक दिवसीय सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ गांव में ही उपलब्ध कराना था, ताकि उन्हें छोटे-छोटे कार्यों के लिए बाहर न जाना पड़े। शिविर में ग्रामीणों को कुल पांच प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई गई। इनमें श्रमिक कार्ड ई-केवाईसी, पीएम किसान ई-केवाईसी, एग्रीस्टैक पंजीकरण, पैन कार्ड सेवा तथा आयुष्मान सेवा शामिल रहीं। शासन द्वारा निर्धारित शुल्क के अनुसार सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और विभिन्न सेवाओं का लाभ लिया। इस दौरान ग्रामीणों को संबंधित सेवाओं की प्रक्रिया एवं आवश्यक जानकारी भी दी गई।

सरपंच संतोष कश्यप ने कहा कि ग्रामीणों को शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ गांव में ही उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। छोटे-छोटे कार्यों के लिए ग्रामीणों को बाहर न जाना पड़े, इसके लिए भविष्य में भी इस तरह के सेवा शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

ग्रामीणों ने गांव में ही विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराने की इस पहल की सराहना करते हुए इसे सुविधाजनक बताया।

सांसद संतोष पाण्डेय सहित जिले के जनप्रतिनिधियों ने सेवा संकल्प अभियान में शामिल होने की अपील

कवर्धा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा एवं समर्पण के अवसर पर कबीरधाम जिले में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के लिए सांसद संतोष पाण्डेय सहित जिले के जनप्रतिनिधियों ने जिलेवासियों से सहभागिता की अपील की है। जनप्रतिनिधियों ने जिलेवासियों से 17 सितबर को शाम 7 बजे 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने तथा अपने-अपने घरों में दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा, समर्पण और विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर घर का दीप सेवा और संकल्प का संदेश देगा। सभी नागरिक परिवार सहित इस अभियान में सहभागी बनें और 'आशीर्वाद का दीया' को जनभागीदारी का उत्सव बनाएं।

डुंडेरा - जोरातराई सड़क बदहाल , जनता परेशान

जर्जर सड़क से राहगीर परेशान, आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा; पूर्व एल्डरमेन तरुण बंजारे ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।।।

उतई। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आने वाला डुंडेरा-जोरातराई मार्ग लंबे समय से बदहाली का दंश झेल रहा है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और उखड़ी हुई सतह के कारण राहगीरों एवं वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार जर्जर सड़क के चलते दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। सड़क का नियमित संधारण नहीं होने से स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

सड़क की समस्या को लेकर नगर पालिक निगम रिसाली के पूर्व एल्डरमेन तरुण बंजारे ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर डुंडेरा-जोरातराई मार्ग का शीघ्र निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत एवं संधारण कार्य कराने की मांग की है।

छह साल से नहीं हुआ संधारण

तरुण बंजारे ने बताया कि डुंडेरा से जोरातराई जाने वाला यह मार्ग लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आता है। सड़क का करीब छह वर्ष पूर्व 2020 में संधारण कार्य कराया गया था। इसके बाद से अब तक सड़क के नियमित संधारण अथवा आवश्यक पेचवर्क का कार्य नहीं होने के कारण मार्ग की स्थिति बेहद खराब हो गई है। सड़क पर कई स्थानों पर गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्से वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं।

उन्होंने कहा कि सड़क की खराब स्थिति को लेकर विभागीय अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। बारिश और लगातार वाहनों के आवागमन के कारण सड़क की स्थिति और खराब होने की आशंका बनी हुई है।

दुर्घटना की आशंका , जल्द कार्रवाई की मांग - - -

डुंडेरा-जोरातराई मार्ग आसपास के ग्रामीणों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। सड़क खराब होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी होती है। रात के समय गड्ढों के कारण दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है।

धरसींवा में विकास और सुशासन की नई बयार: विधायक अनुज शर्मा की पहल से खुला उप पंजीयक कार्यालय, कुंरा में 1.12 करोड़ के कार्य स्वीकृत और जीएसटी घोटाले पर चला चाबुक

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर / धरसींवाः धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में प्रशासनिक सरलीकरण, बुनियादी अधोसंरचना के विस्तार और भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े प्रहार के साथ सुशासन का नया दौर शुरू हो चुका है। स्थानीय विधायक अनुज शर्मा के सतत प्रयासों और विधानसभा में आक्रामक घेराबंदी से एक ओर जहां जीएसटी विभाग में हुआ बड़ा पदोन्नति घोटाला बेनकाब हुआ है, वहीं दूसरी ओर धरसींवा क्षेत्र को उप पंजीयक कार्यालय और नगर पंचायत कुंरा में ?1.12 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की ऐतिहासिक सौगात मिली है।

1. भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी जीतः जीएसटी विभाग में 42 निरीक्षकों की नियुक्ति रद्द

विधायक अनुज शर्मा द्वारा छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र से लेकर मानसून सत्र तक उठाए गए तीखे सवालों के बाद राज्य कर (जीएसटी) विभाग में वर्ष 2021 और 2022 में हुआ पदोन्नति घोटाला पूरी तरह बेनकाब हो गया है। कड़ी कार्रवाईः राज्यकर आयुक्त पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने नियमों को ताक पर रखकर पदोन्नत किए गए 42 वाणिज्यिक कर निरीक्षकों की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से रद्द कर उन्हें उनके मूल पद (लिपिक) पर पदावनत कर दिया है। विभाग ने इस मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में कैविएट भी दायर की है ताकि दागी कर्मचारियों को कोर्ट से स्थगन न मिल सके।

विधानसभा में क्रोनोलॉजी:

बजट सत्र (प्रश्न क्र. 829): विधायक अनुज शर्मा ने तारांकित प्रश्न के जरिए नियम विरुद्ध पदोन्नति का मुद्दा उठाकर विभाग को घेरा।

10 मार्च (ध्यानाकर्षण प्रस्ताव): करोड़ों रुपये के लेन-देन के आरोपों के साथ सदन में मामले को उठाया, जिसके बाद विभागीय मंत्री ने उच्च स्तरीय जांच का आश्वासन दिया।

मानसून सत्र (अतारांकित प्रश्न क्र. 767): कार्रवाई में ढिलाई पर विधायक ने मंत्री की घोषणा पर स्टेटस रिपोर्ट मांगकर अफसरों को अल्टीमेटम देने पर मजबूर कर दिया।

जांच में हुए चौंकाने वाले खुलासे : बिना सील के प्रश्नपत्र : चयन समिति ने स्वीकार किया कि परीक्षा हॉल में प्रश्नपत्र तत्कालीन आयुक्त समीर विश्नोई द्वारा बिना सील (ठुह्यद्दड्डयद्दस्र) किए लाए गए थे। अभ्यर्थियों की उपस्थिति पंजी भी गायब पाई गई।

कॉपी पेस्ट निबंधः डॉ. खूबचंद बघेल पर पूछा गया निबंध सभी चयनित अभ्यर्थियों की कॉपियों में शब्द-ब-शब्द एक समान पाया गया। गलत उत्तरों पर भी री-इवैल्युएशन के जरिए पूरे अंक बांटे गए।

* नियमों का उल्लंघन : 10 साल की सेवा में भृत्य से सीधे राजपत्रित समकक्ष 'निरीक्षक' पद पर पदोन्नति दी गई और बिना स्नातक अर्हता वाले अभ्यर्थियों के लिए बैकडेट में नियम बदले गए।

2. धरसींवा को ऐतिहासिक सौगातः रायपुर की दौड़ समाप्त, खुला उप पंजीयक कार्यालय

क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी और बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने धरसींवा में नवस्वीकृत उप पंजीयक कार्यालय का औपचारिक शुभारंभ किया।

* 60 गांवों को सीधा लाभ : अब तक धरसींवा क्षेत्र के ग्रामीणों, किसानों और भूमि खरीदार-विक्रेताओं को रजिस्ट्री, नामांतरण और राजस्व संबंधी कार्यों के लिए

सक्ती जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान'

वासु जैन जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त, 13 प्रमुख पहलों के लिए विभागीय अधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

नीलकंठ धिरहे

सक्ती, 16 सितंबर 2026। विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सक्ती जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक एक माह का 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान के दौरान जनसेवा, जनकल्याण और शासन की विभिन्न योजनाओं से आम नागरिकों को जोड़ने के साथ व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। अभियान के सुचारू संचालन, समन्वय और मॉनिटरिंग के लिए कलेक्टर जयश्री जैन ने जिला पंचायत सक्ती के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वासु जैन को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं अभियान की विभिन्न पहलों के सफल क्रियान्वयन के लिए विभागीय स्तर पर अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अभियान के तहत 'आशीर्वाद का दीया' के लिए सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, 'मेरे सपनों का भारत' के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कुमुदिनी बाघ द्विवेदी, 'नमो सेवा, अनकही कहानियां' और 'सेवा संकल्प यात्रा' के लिए संयुक्त कलेक्टर अरुण कुमार सोम को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह 'आंगन मिलन सेवा' के लिए महिला एवं बाल विकास अधिकारी सुधाकर बोदले, 'सेवा की कहानी' के लिए जिला जनसंपर्क अधिकारी आनंद दुबे, 'सेवा ज्योति कलश यात्रा' के लिए जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा, 'सेवा मेरा योगदान' के लिए क्षेत्रीय अधिकारी छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल राजेंद्र प्रसाद वासुदेव तथा 'जल जन सेवा संकल्प' के लिए कार्यपालन अभियंता सिंचाई विभाग हितेन्द्र राठौर को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा 'सेवा सेतु अभियान' के लिए अपर कलेक्टर बालेश्वर राम, 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' के लिए प्राचार्य शासकीय क्रांतिकुमार महाविद्यालय डी.पी. पाटले, 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक शोभेंद नायक तथा 'सुशासन सेवा संवाद' के लिए सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर प्रभारी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने ली वर्चुअल बैठक

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिलेभर में होंगे विभिन्न जनसेवा आधारित कार्यक्रम

सक्ती, 16 सितंबर 2026। सक्ती जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों और सफल क्रियान्वयन को लेकर जिले के प्रभारी मंत्री एवं छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने बुधवार को जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। बैठक में अभियान के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा, जनभागीदारी और विभागीय तैयारियों की समीक्षा की गई। वर्चुअल बैठक में लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा की सांसद कमलेश जांगड़े, कलेक्टर जयश्री जैन, सेवा संकल्प अभियान के नोडल अधिकारी वासु जैन सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान जिला प्रशासन द्वारा प्रभारी मंत्री के समक्ष अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों की जानकारी दी गई। प्रभारी मंत्री ने जिला स्तरीय कार्यक्रमों के साथ विकासखंड एवं जिलेभर में होने वाले दीप प्रज्वलन कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने 'मेरे सपनों का भारत' पहल के अंतर्गत आयोजित होने वाली राष्ट्रव्यापी ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता की तैयारियों की भी समीक्षा की। वहीं 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम के तहत जिले के शत-प्रतिशत आंगनबाड़ी केंद्रों में सम्मान एवं मातृ संवाद कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने हितग्राहियों के बीच विचार-विमर्श और संवाद के साथ उनके अनुभवों को भी साझा कराने पर जोर दिया। बैठक में प्रभारी मंत्री ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों पर आधारित अधिक से अधिक सफलता की कहानियां तैयार कर सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाइक रैली, 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' सहित अन्य पहलों की भी जानकारी ली और कार्यक्रमों को व्यवस्थित एवं प्रभावी तरीके से आयोजित करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिले में विभिन्न जनसेवा एवं जनभागीदारी आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान का उद्देश्य जनसेवा और जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करना है।

वर्चुअल बैठक में अपर कलेक्टर बीरेंद्र लकड़ा, टिकेश्वर गबेल, संयोगिता युद्धवीर सिंह जूदेव, कृष्णकांत चंद्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कवर्धा के बैगा अंचल में गूंजे बाल अधिकारः डॉ. वर्णिका शर्मा ने 'बाल चौपाल 2.0' से दिया जागरूकता का संदेश, खामियों पर दिए सख्त निर्देश

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

कवर्धा (16 सितंबर 2026): छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने कवर्धा जिले के दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों से लेकर जिला मुख्यालय तक व्यापक निरीक्षण और समीक्षा की। बैरख तहसील के विशेष जनजातीय (बैगा) अंचल में बच्चों के साथ सीधे संवाद से लेकर प्रशासनिक समीक्षा तक, आयोग ने बाल सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

प्रमुख गतिविधियां एवं मुख्य बिंदु :

बाल चौपाल 2.0 और डिजिटल जुड़ावः बैरख में आयोजित 'बाल चौपाल 2.0' में बच्चों ने झिझक छोड़कर खुलकर अपनी बातें रखीं। क्विज और बाल अधिकारों पर आधारित सांप-सीढ़ी खेल के ज़रिए बच्चों को 'गुड टच-बैड टच', चाइल्ड हेल्पलाइन और बाल विवाह विरोधी कानूनों के प्रति जागरूक किया गया। अध्यक्ष ने जनजातीय बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए उन्हें 'डिजिटल इंडिया' मुहिम से जोड़ने की बात कही।

एकलव्य विद्यालय में पीएम का जन्मदिनः तरेगांव स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय में डॉ. वर्णिका शर्मा ने विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मनाया। बच्चों ने पीएम के संघर्ष व राष्ट्र-समर्पण से प्रेरणा लेते हुए देश सेवा का संकल्प लिया।

अव्यवस्थाओं पर कड़ी हिदायत : बालक आश्रम बैरख एवं अन्य संस्थानों के निरीक्षण के दौरान सफाई में कमी, शिक्षकों की किल्लत, साइंस लैब उपकरणों के अभाव और मलेरिया बचाव (मच्छरदानियों) में पाई गई खामियों पर अध्यक्ष ने सख्त रुख अपनाया। ,क्क्रह्र को त्वरित पत्राचार करने और व्यवस्था दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए।

बाल गृह में आत्मीयता : शासकीय बालक गृह कवर्धा के निरीक्षण के दौरान आयोग अध्यक्ष ने बच्चों के साथ रात्रि भोजन किया और बाल गृह के एक बच्चे का जन्मदिन मनाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर सभागृह में विभागीय समीक्षा:

कलेक्टर सभागृह में सभी विभागीय अधिकारियों के साथ हुई बैठक में आयोग अध्यक्ष ने निम्नलिखित मुख्य निर्देश जारी किए:

शिक्षकों की वैकल्पिक व्यवस्था : आश्रम शालाओं और छात्रावासों में स्थायी नियुक्ति होने तक गणित, अंग्रेजी और विज्ञान विषयों के लिए अतिथि शिक्षकों की तत्काल व्यवस्था की जाए।

अभियान व समन्वयः कोटपा (ष्टह्रञ्जक्क) एक्ट और बाल श्रम अधिनियम के तहत विभिन्न विभाग मिलकर निरंतर अभियान चलाएं।

स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकासः PCPNDT एक्ट का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो। साथ ही, श्रम और महिला-बाल विकास विभाग आपसी समन्वय से क्कस्ङ्कङ्घ और 'मिनीमाता महतारी जतन योजना' का लाभ अधिकतम हितग्राहियों तक पहुंचाएं।

संपादकीय

सामने आए संस्कृति का सही स्वरूप

लंबे समय के बाद पिछले कुछ दशकों में हिंदू अपने उत्सवों को बिना बाधा, हर्ष और उल्लास के साथ मना रहे हैं, लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ लोगों के लिए ये उत्सव हुल्लड़ और शोर-शराबे का बहाना बन गए हैं। कुछ उत्सवों के दौरान ऐसे दृश्य आम हैं, जहां घंटों रास्ता रोकने वाली शोभायात्राएं, तेज आवाज में बजता संगीत, अश्लील गाने और नृत्य, राहगीरों के साथ दुर्व्यवहार न केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न बनते हैं, बल्कि इन उत्सवों की शुचिता एवं पवित्रता का मानभंग भी करते हैं। इन आयोजनों में कलात्मकता का अभाव भी दिखाई देता है। एक बड़े क्षेत्र में हिंदू जनजीवन एक उच्च संस्कृति के उत्थान की बाट जोह रहा है। इस क्रम में आवश्यकता इसकी है कि सार्वजनिक उत्सवों में भी यह नई उच्च संस्कृति परिलक्षित हो। उच्च संस्कृति का अर्थ ऐसी संस्कृति से नहीं है, जो केवल संग्रहालयों, सभागारों या समाज के छोटे वर्ग तक सीमित हो। उच्च संस्कृति वह है, जिसकी अभिव्यक्ति पौराणिक कथाओं, सभ्यतागत प्रतीकों और दर्शन सार को सौंदर्यबोध के साथ मर्यादित रूप में प्रकट करे। ऐसी संस्कृति जो अर्थपूर्ण और सभ्य हो, जो रुचियों को परिष्कृत करे, भावनाओं का उत्सर्ग करे, ध्यान और संवेदनशीलता विकसित करे और समाज को स्वयं के बारे में एक गरिमापूर्ण दृष्टि दे। ऐसा नहीं है कि लोकप्रिय संस्कृति अपने आप में अशिष्ट होती है और केवल कुलीन संस्कृति ही श्रेष्ठ होती हो। उत्तरी हरियाणा की रागिनी से लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश का कजरी या चैती गायन या फिर मिथिला की कोहबर और बुंदेली फाग, ये सभी भावपूर्ण और मर्यादित कलाएं रही हैं। ऐसा ही बृज के चरकुला, हरियाणा के घूमर और मिथिला की झिझिया नृत्य परंपराओं के बारे में कहा जा सकता है, पर यह सत्य है कि तमाम लोक नृत्य और संगीत या तो लुप्त हो रहे हैं या उनमें अश्लीलता का पुट बढ़ने के कारण उनका मूल स्वरूप नष्ट हो रहा है। यह स्थिति दुखद है, क्योंकि उच्च संस्कृति इंद्रियों को उत्तेजित मात्र नहीं करती, बल्कि उनको अनुशासित और उर्ध्वगामी बनाती है। हिंदू सभ्यता के संदर्भ में तो यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि हिंदू सौंदर्यबोध केवल वस्तुओं को सुंदर बनाने तक सीमित नहीं रहा। हिंदू चिंतन में रस की अवधारणा है, जो सामान्य भावनाओं को कलात्मक अनुभूति में बदल देती है। भारतीय कला की इसी विशेषता पर बल देते हुए संस्कृति और कला के पुरोधा आनंद कैंटिश कुमारस्वामी ने लिखा है कि भारतीय कला का उद्देश्य केवल मूर्त वस्तुओं की अच्छी नकल करना नहीं, बल्कि उसके माध्यम से उच्च आदर्शों और गहरे सत्य को प्रकट करना है। उनके मतानुसार कलाकार के लिए दृश्य सुंदरता शाश्वत को प्रकट करने का अनुशासित माध्यम है।

आज का राशिफल

मेष राशि :- भावनाएं विक्षुब्ध रखे, दैनिक कार्यगति मंद रहे, परिश्रम से कार्य अवश्य बनेंगे।

वृष राशि :- तनाव क्लेश व अशांति, धन का व्यय, मानसिक खिन्नता, अवश्य बनेगी।

मिथुन राशि :- चिन्ताएं कम हो, सफलता के साधन जुटाए तथा शुभ समाचार अवश्य मिलेंगे।

कर्क राशि :- बड़े-बड़े लोगों से मेल मिलाप होवे तथा सुख समृद्धि के साधन अवश्य बनेंगे।

सिंह राशि :- स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास होवे, भोग कार्य की प्राप्ति होगी, कार्य गति उत्तम बनें।

कन्या राशि :- प्रतिष्ठा बाल बाल बचें, संघर्ष से अधिकार प्राप्त करें, भाग्य का साथ दें।

तुला राशि :- कुटुम्ब और धन की चिन्ता बनी रहे, परिश्रम से सोचे कार्य अवश्य ही बनेंगे, ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- प्रत्येक कार्य में बाधाएं, क्लेश युक्त रखे, स्थिति साम्यर्थ के योग अवश्य बनें।

धनु राशि :- धन का व्यय संभव है, तनाव पूर्ण वार्ता से बचिएगा, कार्य का ध्यान अवश्य रखें।

मकर राशि :- अधिकारियों के समर्थन से सफलता, कार्य कुशलता से संतोष होवे, बिगड़े कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि :- कार्य कुशलता से संतोष, व्यवसायिक समृद्धि के साधन।

मीन राशि :- कुटुम्ब के कार्यों में समय बीतें तथा हर्षप्रद समाचार प्राप्त हो।

आगे बढ़ी अटकी परियोजना

यह स्वागतयोग्य है कि लंबी प्रतीक्षा के बाद केंद्र सरकार की पहल पर छह राज्य महत्वाकांक्षी किशाऊ बांध परियोजना पर सहमत हुए। गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों ने इस परियोजना से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस परियोजना को लेकर हिमाचल की सहमति इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह विपक्ष शासित राज्य है। उसकी सहमति इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि पिछले कुछ समय से कांग्रेस हर मामले में विरोध के लिए विरोध की राजनीति का परिचय देती चली आ रही है। उसके नेतृत्व वाली हिमाचल सरकार की सहमति यह बताती है कि लोक कल्याण के विषयों पर दलगत राजनीतिक हितों से ऊपर उठने की आवश्यकता होती है।

यह अच्छा हुआ कि हिमाचल सरकार ने इस परियोजना के लिए सहमति दी। अभी तक वित्तीय अंशदान के अतिरिक्त इस परियोजना पर सहमति न बन पाने का एक कारण दलगत राजनीति भी रहा। यह जहां संतोषजनक है कि आखिरकार इस परियोजना का रास्ता साफ हो गया, वहीं इसकी अनदेखी भी न की जाए कि इसका प्रस्ताव स्वतंत्रता के पहले किया गया था। किसी परियोजना का आठ दशक से अधिक की देरी से शुरू हो पाना यही बताता है कि भारतीय लोकतंत्र में किस तरह कुछ आवश्यक काम भी अटक जाते हैं। ऐसा लोकतंत्र की अति के चलते होता है। इस अति के चलते ही आम तौर पर हर योजना-परियोजना का विरोध होता है और इसके चलते विकास के अनेक कार्यक्रम देर से शुरू हो पाते हैं। आम तौर पर पहले राजनीतिक दल किसी परियोजना के विरोध में उतरते हैं, फिर सामाजिक या पर्यावरण समूह। इसके साथ ही उन्हें अदालतों में भी चुनौती दी जाती है। ऐसी परियोजनाओं की गिनती करना कठिन है, जिनके अमल में दशकों की देरी हुई। कुछ तो कभी आगे बढ़ ही नहीं सकीं। जो आगे बढ़ीं, उनकी लागत बढ़ी। किशाऊ बांध परियोजना पर हुआ समझौता उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में पेयजल और सिंचाई के संकट को दूर करने में सहायक बनेगा। इससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन भी सुनिश्चित हो सकेगा। यह उत्तराखंड के देहरादून और हिमाचल के सिरमौर जिले की सीमा पर टोंस नदी पर निर्मित की जाने वाली एक राष्ट्रीय महत्व की परियोजना है। चूंकि टोंस यमुना की प्रमुख सहायक नदी है, इसलिए उसमें प्रवाह बनाए रखना आसान होगा और उसे साफ करने में भी मदद मिल सकती है। किशाऊ बांध परियोजना पर छह राज्यों के बीच हुआ समझौता यह बता रहा है कि केंद्र सरकार किस तरह विभिन्न राज्यों के बीच समझौते कराने को लेकर सक्रिय है। पिछले कुछ समय में केंद्र सरकार की सक्रियता के चलते कई राज्यों में नदी जल बंटवारे संबंधी समझौते हुए हैं। यह सिलसिला कायम रहना चाहिए।

ब्रिक्स सम्मेलन के बीच भारत-चीन संबंध

- आनंद कुमार

नई दिल्ली में भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वां ब्रिक्स सम्मेलन केवल एक बहुपक्षीय आयोजन नहीं था। यह बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका और उसके कूटनीतिक दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण संकेतक भी रहा। सम्मेलन में वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार, ग्लोबल साउथ की अधिक भागीदारी, तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों के बढ़ते रणनीतिक महत्व तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं की मजबूती जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। हालांकि भारत के लिए इस सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण पक्ष चीन के साथ संबंधों में स्थिरता के रूप में भी दिखा।

सम्मेलन के दौरान भारत का जोर इस पर रहा कि ग्लोबल साउथ वैश्विक संकटों का सबसे अधिक सामना करता है, लेकिन वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में उसकी भूमिका अभी भी अपेक्षाकृत सीमित है। इस क्रम में नई दिल्ली घोषणापत्र का सर्वसम्मति से स्वीकार किया जाना भी महत्वपूर्ण है। विस्तारित ब्रिक्स में ऐसे देश शामिल हैं, जिनके बीच राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद है, रूस और पश्चिम के बीच गंभीर टकराव है तथा ईरान के पश्चिमी देशों के साथ संबंध तनावपूर्ण हैं। इसके बावजूद ब्रिक्स देश वैश्विक शासन, विकास, तकनीक और बहुपक्षीय सहयोग जैसे मुद्दों पर सहमति बनाने में सफल रहे। यह बताता है कि ब्रिक्स किसी एक विचारधारा या किसी विशेष देश के विरोध का मंच बनने के बजाय विभिन्न शक्तियों के बीच सहयोग का व्यावहारिक मंच बनने की क्षमता रखता है। भारत-चीन संबंधों में आई नई हलचल को भी देखा जाना चाहिए। 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य टकराव के बाद दोनों देशों के संबंधों में गंभीर गिरावट आई थी। ऐसे में शी चिनफिंग की सात वर्ष बाद भारत यात्रा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि दोनों देश संबंधों को पूरी तरह टकराव के रास्ते पर जाने से रोकना चाहते हैं। मोदी और शी की बैठक में दोनों नेताओं ने संबंधों को दीर्घकालिक और रणनीतिक दृष्टि से देखने पर जोर दिया।

भारत ने यह स्पष्ट किया कि सीमा पर शांति और स्थिरता व्यापक द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति के लिए आवश्यक है। चीन की ओर से भी भारत-चीन संबंधों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखने और साझा विकास पर सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया गया। यह भाषा अपने आप में कोई बड़ी सफलता नहीं है, लेकिन लंबे समय तक चले तनाव के बाद संवाद की वापसी का संकेत जरूर है। भारत-चीन संबंधों के मौजूदा चरण को 'समझौते' से अधिक 'स्थिरीकरण' कहना उचित होगा। दोनों देशों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर अनेक मतभेद अभी भी कायम हैं। चीन के साथ संबंधों में स्थिरता का अर्थ यह नहीं है कि भारत अपनी सुरक्षा तैयारियों को कम कर दे। भारत की रणनीति तो यह होनी चाहिए कि सीमा पर मजबूत सैन्य स्थिति बनाए रखते हुए राजनीतिक और राजनयिक संवाद को निरंतर जारी रखा जाए।

ब्रिक्स में प्रधानमंत्री मोदी, शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तस्वीरों को कुछ लोग भारत-रूस-चीन के किसी नए रणनीतिक त्रिकोण के संकेत के रूप में देख सकते हैं, लेकिन ऐसा निष्कर्ष जल्दबाजी होगा। तीनों देशों के हित और रणनीतिक प्राथमिकताएं काफी अलग हैं। भारत के अमेरिका के साथ भी संबंध हैं। चीन भारत का प्रमुख रणनीतिक प्रतिस्पर्धी है और रूस की चीन पर बढ़ती निर्भरता ने भारत-रूस-चीन त्रिकोण की पुरानी प्रकृति को बदल दिया है। ब्रिक्स ऐसा मंच है, जहां देशों को अपने सभी द्विपक्षीय मतभेद समाप्त किए बिना भी साझा मुद्दों पर सहयोग करने का अवसर मिलता है।

भारत और चीन सीमा पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं, लेकिन वैश्विक शासन सुधार, विकास, जलवायु परिवर्तन, तकनीक और ग्लोबल साउथ के हितों पर सहयोग भी कर सकते हैं। यही बहुपक्षीय कूटनीति की वास्तविक शक्ति है। भारत की विदेश नीति के लिए यह लचीलापन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत कर सकता है, रूस के साथ पारंपरिक संबंध बनाए रख सकता है, ईरान और पश्चिम एशिया के देशों से संपर्क बढ़ा सकता है और साथ ही चीन के साथ स्थिर संबंधों की कोशिश कर सकता है।

भारत-चीन संबंधों में आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। दोनों देशों के बीच व्यापार काफी बढ़ा हुआ है, लेकिन भारत के लिए व्यापार घाटा, बाजार पहुंच, तकनीकी निर्भरता और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा गंभीर चिंता के विषय हैं। यह न भूला जाए कि राजनीतिक संबंधों में सुधार तभी टिकाऊ होगा जब आर्थिक संबंधों में भी अधिक संतुलन और पारदर्शिता आए। भारत को चीन के साथ आर्थिक संपर्क बढ़ाने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए, लेकिन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अत्यधिक निर्भरता से बचते हुए वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण भी जारी रखना होगा। भारत और चीन के बीच कुछ मुद्दों पर मतभेद बने रहेंगे। वास्तविक चुनौती यह है कि इसे ऐसे संतुलित किया जाए कि वे सैन्य संकट में न बदलें। इस क्रम में सात वर्ष बाद शी चिनफिंग की भारत यात्रा, मोदी से बातचीत, सीमा पर चीनी सैन्य तैनाती में कमी और विभिन्न संवाद तंत्रों की सक्रियता इसके संकेत हैं कि दोनों देश संबंधों में एक नई स्थिरता तलाश रहे हैं, लेकिन इसे अंतिम सफलता मानना उचित नहीं। यदि आने वाले महीनों में भारत और चीन सीमा पर तनाव को नियंत्रित रखते हुए सैन्य और राजनयिक संवाद जारी रखते हैं, आर्थिक मुद्दों पर व्यावहारिक बातचीत करते हैं और नेतृत्व स्तर पर नियमित संपर्क बनाए रखते हैं, तो दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा को अधिक पूर्वानुमेय बनाया जा सकता है।

गंगा के साथ टेम्स जैसा व्यवहार क्यों नहीं?

- राकेश अचल

लंदन में टेम्स नदी के तट पर रविवार को पहली बार गंगा आरती का आयोजन किया गया. जिसमें हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। 'प्रकाश उत्सव' नाम से आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन चिन्मय मिशन यूके ने टोटली टेम्स के वार्षिक उत्सव के सहयोग से किया। यह आयोजन चिन्मय मिशन की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दुनियाभर में हो रहे कार्यक्रमों का हिस्सा है।

भारत में गंगा के तट पर न जाने कब से गंगा आरती होती है. इसी प्रसिद्ध आरती की परंपरा से प्रेरित इस आयोजन की परिकल्पना प्रकृति, ज्ञान और चेतना के जीवनदायी प्रवाह के प्रतीक के रूप में की गई.लेकिन मुमकिन है कि गंगाजी इस आयोजन से जल-भुन गई हों, क्योंकि एक नदी का जो मान टेम्स को मिला वो सम्मान भारत में गंगा को नहीं मिलता.

गंगा पुण्य सलिला, निर्मला, पतित पावन, मोक्षदायनी, सुरसरि, भगीरथी कहने भर को रह गई है. गंगापुत्रों ने गंगा को गंदा कर दिया है लेकिन वे गंदी गंगा की आरती करना नहीं भूले. पाखंडी हैं. विदेश में कानून मानते हैं और भारत में परंपरा के नाम पर गंगा में मृत शरीर, अस्थियां, मल-मूत्र, औद्योगिक कचरा, फूल -पत्ती बडे श्रद्धा के साथ डालते हैं. उसे टेम्स नदी की तरह सांस नहीं लेने देते.

हमारे पाखंड में हम भी शामिल हैं और हमारी सरकारें भी. हर सरकार के लिए गंगा एक नदी नहीं बल्कि एक प्रोजेक्ट है. जब कोई नदी जिसे हम माँ की तरह पूजते हैं तो वह मां नहीं रही. उसका मान मिट्टी में मिल चुका है.जबकि पीढ़ियों से श्रद्धालु गंगा के तट पर दीप प्रज्वलित कर मां गंगा की आराधना करते हुए जीवन को संवारने वाली दिव्य शक्तियों के लिए श्रद्धा दर्शाते आए हैं

गंगा आरती हिंदू धर्म का एक प्राचीन धार्मिक अनुष्ठान है। इसमें बड़ी संख्या में दीयों को प्रज्वलित कर प्रार्थना, भजन-संगीत और मंत्रोच्चार के माध्यम से मां गंगा के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। यह अनुष्ठान प्रकृति और उसके जीवनदायी स्वरूप के प्रति आस्था तथा सम्मान की अभिव्यक्ति है।

कहने को प्रकृति के प्रति श्रद्धा गंगा आरती का केवल एक हिस्सा नहीं बल्कि इसकी आत्मा में निहित है। यह मां गंगा के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अर्पित करने का माध्यम है। हिंदू परंपरा में मां गंगा को पवित्र, जीवनदायिनी और समस्त जीवों का पोषण करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। किंतु जिस तरह टेम्स के तट पर आयोजित इस आरती में परंपरा की पवित्रता के साथ नदी की निर्मलता और पर्यावरण की मर्यादा कापूरा ध्यान रखा गया वैसा न बनारस में होता है न और कहीं. लंदन में आरती में प्रयुक्त किसी भी अवयव को टेम्स में प्रवाहित /विसर्जित नहीं किया गया।

आपको याद दिला दूं कि गंगा को गंगा बनाने के लिए जून 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा फ्लैगशिप कार्यक्रम के रूप में शुरू किया गया.राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन बनाया गया. सन 2021 में इस परियोजना के लिए शुरुआती आवंटन: ?20,000 करोड़ दिया गया.मार्च 2026 तक अतिरिक्त ?22,500 करोड़ और दिया गया.कुल परियोजनाओं की लागत अब ?40,000 करोड़ से अधिक हो गई है. लेकिन गंगा पहले की तरह मैली है. टेम्स नही बन सकी.

इस परियोजना का बडा सुन्दर नाम दिया गया 'अविरल धारा' (निरंतर प्रवाह), 'निर्मल धारा' (अदूषित जल) ताकि गंगा की पारिस्थितिकी एवं भूगर्भीय अखंडता बनाई रखी जा सके लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात.न ढंग से सीवेज उपचार अवसंरचना बनी, न नदी-तट विकास हुआ.नदी सतह की सफाई का तो कहना ही क्या?

अपना एजेंडा थोपने वाला इकोसिस्टम

राजीव सचान

किसी प्रकरण को अपने एजेंडे के हिसाब से तूल देकर अथवा उसकी अनदेखी कर समाज की चिंतनधारा को प्रभावित करने का काम किस तरह होता है और उसके लिए नैरेटिव गढ़ने वाला इकोसिस्टम कैसे काम करता है या नहीं करता, इसका ताजा उदाहरण है कि केरलम के उस मौलाना के प्रति नरम रवैया, जिसने कहा था कि महिलाएं घर से बाहर निकलीं तो तबाही होगी। तालिबानी सोच वाले ये मौलाना हैं शेख अबूबकर अहमद। उन्हें केरल का ग्रैंड मुफ्ती कहा जाता है। उनकी हैसियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उनके समर्थकों के दबाव के चलते केरलम के उस बिग टीवी को माफी मांगनी पड़ी, जिसने इस मुद्दे पर चर्चा की थी। दबाव इतना था कि टीवी चैनल ने माफी मांगने के साथ ही इस बहस का वीडियो भी हटा दिया। इतना ही नहीं, उक्त बहस को संचालित करने वाली चैनल की पत्रकार अपर्णा के खिलाफ एफआइआर भी दर्ज कर दी गई-इस आरोप में कि उन्होंने माहौल बिगाड़ने और दंगे भड़काने का काम किया। यह तब हुआ, जब अपर्णा ने भी माफी मांग ली थी। यह सब कांग्रेस के शासन वाले केरलम में हुआ। गौर करें कि कांग्रेस के सर्वमान्य नेता राहुल गांधी ने कुछ दिनों पहले ही मनुस्मृति का उल्लेख करते हुए पितृसत्ता से लड़ने और उसे ध्वस्त करने की जरूरत जताई थी, लेकिन अबूबकर के बयान पर उन्हें सांप सा सूंघ गया। सनद रहे कि केरलम की कांग्रेस सरकार मुस्लिम लीग के समर्थन से चल रही है और प्रियंका गांधी वाड्रा उस वायनाड से सांसद हैं, जो लीग का गढ़ है। हालांकि केरलम के मुख्यमंत्री ने मौलाना अबूबकर के बयान से असहमति जताई, लेकिन राहुल गांधी के मौन रहने के चलते कांग्रेस के किसी केंद्रीय नेता ने मौलाना के खिलाफ मुंह खोलने का साहस नहीं दिखाया। जो केरलम प्रगतिशीलता के लिए जाना जाता है और जहां की तमाम महिलाएं कामकाजी हैं, उसके ग्रैंड मुफ्ती अबूबकर ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि महिलाओं को सार्वजनिक जगहों पर नहीं जाना चाहिए। उन्होंने महिलाओं की तुलना सोने के गहनों से की थी, जिन्हें डिब्बे में सुरक्षित रखा जाता है। वैसे यह वह केरलम भी है, जहां इजरायल पर भीषण हमला करने वाले हमास के नेता का भाषण प्रसारित हुआ और जहां के अनेक युवा इस्लामिक स्टेट और अलकायदा में शामिल होने जा चुके हैं। अबूबकर के घनघोर पितृसत्तावादी सोच और अपर्णा के खिलाफ एफआइआर दर्ज किए जाने पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के वे पैरोकार भी करीब-करीब मौन ही रहे, जिन्होंने किसी अन्य पंथ के धर्मगुरु के ऐसे ही बयान पर आसमान सिर पर उठा लिया होता। मीडिया के एक बड़े हिस्से ने भी इस मामले को महत्व देना जरूरी नहीं समझा। कोई भी समझ सकता है कि इसीलिए कि यह प्रकरण उनके नैरेटिव के मनमाफिक नहीं था। उन्हें इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ा कि ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने आए मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने केरलम दौर पर अबूबकर से भेंट करना आवश्यक समझा। उनके अबूबकर से मिलने पर हैरानी भी नहीं, क्योंकि उन्होंने जिहादी सोच वाले जाकिर नाइक को अपने यहां शरण दे रखी है। जिस इकोसिस्टम को मौलाना अबूबकर के महिलाओं को पर्दे और घर में रखने वाले बयान पर कोई खास परेशानी नहीं हुई, वह जेएनयू के उन प्रोफेसर को लेकर भी नरम है, जिन पर विश्वविद्यालय की 11 छात्राओं ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। ये आरोप करीब चार महीने पहले लगाए गए थे, लेकिन कहीं कोई कार्रवाई नहीं हुई।

संकल्प से सिद्धि तक: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्र सेवा और जन सेवा के 25 वर्ष

- सुरेश पचौरी

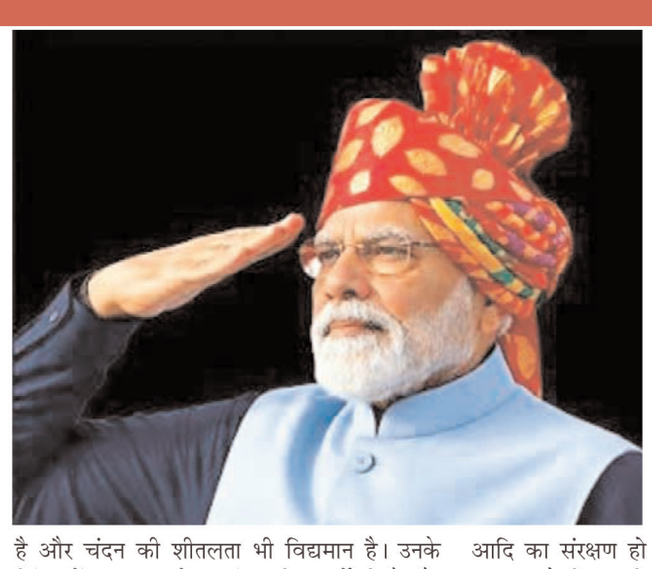

नये भारत के शिल्पकार श्री नरेन्द्र मोदी अपनी अनवरत जनसेवा व राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। यह यात्रा 7 अक्टूबर, 2001 को शुरू हुई थी, जब उन्होंने 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के सफल मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में प्रथम बार शपथ ली। तब से लेकर आज तक उन्होंने 'जनसेवा से राष्ट्रसेवा' के मंत्र को जी कर दिखाया है और उनकी इस यात्रा की गति न धीमी हुई और न रूकी, बल्कि कीर्तिमान स्थापित करते हुये सतत् जारी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 सितम्बर, 2026 को अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी उनके जन्म दिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' प्रारंभ करने जा रही है, जब उनके सुशासन के 25 वर्ष पूरे होंगे। 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के मुख्यमंत्री और कमोबेश इतनी ही अवधि के उनके प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल पर दृष्टिपात करें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि उन्होंने जनसेवा का कीर्तिमान और प्रतिमान रच दिया।

गुजरात के मेहसाणा जिले के एक छोटे से गांव बड़नगर से शुरू हुई उनकी जीवन यात्रा में आए तमाम उतार-चढ़ाव के बीच लगन, निष्ठा, परिश्रम, त्याग, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रप्रेम के चलते वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष बन चुके हैं। वे आज सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं जाने-पहचाने जाते, वरन आज वे विश्व के अग्रणी शीर्ष नेताओं में शामिल हो चुके हैं। श्री नरेन्द्र मोदी को 36 देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया है। वे ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रबोध एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इसी उदात्त भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने किशोरावस्था में अपना घर-द्वार छोड़कर जनसेवा की ओर जो कदम बढ़ाए, वे आज तक नहीं रुके।

उन्होंने दशकों से लंबित फैसलों को पूरा किया - चाहे धारा 370 की समाप्ति हो, भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हो या सीमाओं की अभेद्य सुरक्षा हो। विज्ञान के क्षेत्र में चंद्रयान-3 की सफलता से लेकर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक, उनके हर कदम ने भारत को सशक्त बनाया है। स्वच्छ भारत से जल जीवन मिशन तक, उज्जवला योजना से आयुष्मान भारत तक, किसान सम्मान निधि से लखपति दीदियों की आत्मनिर्भरता तक - हर योजना का एक ही ध्येय रहा है कि सबका जीवन बेहतर हो, भारत समर्थ बने। ये 25 वर्ष सिर्फ सत्ता के नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के विश्वास और एक दूरदर्शी नेता के तप, त्याग और नेतृत्व की गाथा है।

प्रधानमंत्री के रूप में विगत लगभग साढ़े बारह वर्षों के दौरान मोदी जी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में प्रगति की रफ्तार दिन-ब-दिन बढ़ती नज़र आ रही है। आम आदमी के जीवन में खुशहाली आई, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार आया, दुनिया में भारत के मान-सम्मान में वृद्धि हुई, पड़ोसी देश पाकिस्तान को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान मुंह की खानी पड़ी। श्री मोदी देश हित में इतने दृढ़प्रतिज्ञ हैं कि दुनिया की कोई ताकत आज तक उन्हें अपने सिद्धांतों से न तो डिगा सकी है और न ही झुका सकी है। उनका यह आत्मबल न सिर्फ करोड़ों भारतवासियों बल्कि विश्व के दीगर मुल्कों में रहने वाले भारतवासियों को संबल प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारी जीडीपी वृद्धि दर भी 7.8% है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश विरोधियों और भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिणाममूलक है। प्रधानमंत्री ने सरकार की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में हमेशा आम आदमी को रखा। इस सोच के साथ गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मसलन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा की गई। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के मद्देनजर आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जिससे लगभग 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। आधारभूत संरचना की बात की जाये तो प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्र की रीढ़ मानते हुए इसमें भारी निवेश किया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं। कर्मयोगी श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना जीवन 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' के भाव को चरितार्थ करते हुए राष्ट्र को समर्पित कर दिया है।

सैमसन ने वैभव के लिए छोड़ी थी ओपनिंग :18 महीने में बदली पूरी कहानी

नई दिल्ली। करीब 18 महीने पहले राजस्थान रॉयल्स में संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी की कहानी शुरू हुई थी। तब संजू टीम के कप्तान थे और 14 साल के वैभव ने उनके चोटिल होने के बाद IPL में कदम रखा था। वैभव ने तीसरे ही मैच में सेंचुरी जड़ दी। उनकी बल्लेबाजी इतनी शानदार रही कि सैमसन की वापसी के बाद भी वैभव ने ओपनिंग की और सैमसन खुद नंबर-3 पर उतर गए। तब यह रिश्ता कप्तान और युवा खिलाड़ी का था। अब दोनों की कहानी टीम इंडिया की ओपनिंग स्लॉट तक पहुंच चुकी है। 15 साल के वैभव ने IPL 2026 में ऑरेंज कैप जीती, सैमसन 2026 टी-20 वर्ल्ड कप के प्लेयर ऑफद टूर्नामेंट रहे। दोनों के पास टीम को मैच जिताने की अपनी-अपनी वजह है। फर्क सिर्फइतना है कि फिलहाल प्लेइंग-11 में एक ही जगह दोनों के लिए खुली है। अफगानिस्तान के खिलाफपहले दो टी-20 में भारत ने सैमसन और अभिषेक शर्मा से ओपनिंग कराई, जबकि जिम्बाब्वे के खिलाफ पिछली सीरीज में प्लेयर ऑफद सीरीज रहे वैभव को बाहर बैठना पड़ा। दूसरे टी-20 में सैमसन ने 22 गेंद पर 57 रन की पारी खेलकर अपनी दावेदारी का जवाब बल्ले से दिया।

कहानी शुरू हुई थी सैमसन की चोट से- IPL 2025 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान सैमसन चोट के कारण लंबे समय के लिए बाहर हुए। उस समय 14 साल के वैभव को टीम में मौका मिला। युवा बल्लेबाज ने मौके को तुरंत भुनाया। IPL के अपने तीसरे मैच में ही सेंचुरी लगा दी। इसके बाद राजस्थान के लिए सवाल यह नहीं रहा कि वैभव को टीम में रखा जाए या नहीं, बल्कि यह था कि उसे बल्लेबाजी में कहां उतारा जाए।

सैमसन की वापसी के बाद भी वैभव ओपन करते रहे। सैमसन ने अपनी ओपनिंग पोजिशन वापस लेने के बजाय नंबर-3 पर बल्लेबाजी की। यही वह मोड़ था जहां दोनों के बीच क्रिकेट का रिश्ता सिर्फ सीनियर-जूनियर नहीं रहा। सैमसन ने एक तरह से वैभव को जगह बनाने का मौका दिया और वैभव ने अपने प्रदर्शन से उस भरोसे को सही साबित किया।

फिर वैभव ने IPL में ऐसा खेला कि टीम इंडिया का दरवाजा खुल गया- IPL 2026 वैभव के करियर का बड़ा मोड़ रहा। सिर्फ15 साल की उम्र में उन्होंने 776 रन बनाए। उनका औसत 48.5 और स्ट्राइक रेट 237.3 रहा। इस प्रदर्शन के साथ वे टूर्नामेंट के ऑरेंज कैप विजेता बने। इसके बाद उन्हें भारतीय टी-20 सेटअप में तेजी से शामिल किया गया।

सैमसन टी-20 वर्ल्ड कप के प्लेयर ऑफद टूर्नामेंट- दूसरी तरफसैमसन के लिए 2026 भी बेहद अहम रहा। टी-20 वर्ल्ड कप में उन्होंने शुरुआत में टीम से बाहर रहने के बाद वापसी की और टूर्नामेंट के निर्णायक मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया।

जोस बटलर ने रोहित को पीछे छोड़ा : ब्रूक का 42 गेंद में शतक, इंग्लैंड की टी-20 में श्रीलंका पर लगातार 13वीं जीत

एजेंसी » नई दिल्ली

इंग्लैंड ने मंगलवार को पहले टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 119 रन से हरा दिया। यह इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफटी-20 मैच में लगातार 13वीं जीत है।

हैरी ब्रूक ने साउथैम्पटन में खेले गए इस मुकाबले में 42 गेंद पर शतक जमाया। उन्होंने इस पारी में 10 चौके और 6 छक्के लगाए। जोस बटलर ने 80 रन की पारी खेली। बटलर ने टी-20 इंटरनेशनल में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। उनके 161 मैचों में 4,292 रन हैं। रोहित के नाम 4,231 रन हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम 4,596 रन के साथ इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। कप्तान ब्रूक और बटलर की बदौलत इंग्लैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 254 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 19 ओवर में 135 रन पर ऑलआउट हो गई। ब्रूक को प्लेयर ऑफद मैच चुना गया।

ब्रूक का इंग्लैंड के लिए जॉइंट दूसरा सबसे तेज टी-20 शतक- हैरी ब्रूक ने 49 गेंदों में नाबाद 114 रन बनाए। उन्होंने 42 गेंद में शतक पूरा किया, जो इंग्लैंड के लिए टी-20 इंटरनेशनल में जॉइंट दूसरा सबसे तेज शतक है। लियाम लिविंगस्टोन भी 42 गेंदों में सेंचुरी लगा चुके हैं। फिल सॉल्ट के नाम 39 गेंदों में शतक का रिकॉर्ड है।

ब्रूक का इस साल व्हाइट-बॉल क्रिकेट में तीसरा शतक- हैरी ब्रूक का यह इस साल व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनका तीसरा शतक है। उन्होंने फरवरी में टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ50 गेंदों में सेंचुरी लगाई थी। जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे में नाबाद 136 रन बनाए थे।

पावरप्ले में इंग्लैंड का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर- इंग्लैंड ने पावरप्ले में 90 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में उसका दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इंग्लैंड का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर 91 रन है, जो उसने 2022 में ट्रेंट ब्रिज में वेस्टइंडीज के खिलाफबनाया था।

वरुण चक्रवर्ती एशियन गेम्स से बाहर :विप्रज निगम को पहली बार सीनियर टीम में मौका

एजेंसी » नई दिल्ली

भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती चोट के कारण एशियन गेम्स 2026 से बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के पहले टी-20 में गेंदबाजी करने के बाद उनके पैर के बाएं हिस्से में परेशानी हुई थी। स्कैन में साइड स्ट्रेन की पुष्टि के बाद वे सीरीज के बाकी दो मैचों के साथ एशियन गेम्स में भी नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह युवा लेग-स्पिन ऑलराउंडर विप्रज निगम को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

वरुण ने रविवार को दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ दो महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की थी। उन्होंने अपना पूरा 4 ओवर का स्पेल किया और 16 रन देकर एक विकेट लिया। हालांकि मैच के बाद उन्हें साइड में असहजता महसूस हुई। इसके बाद उन्हें आगे की जांच के लिए BCCI के सेंटर ऑफएक्सीलेंस भेजा

गया। वरुण की यह चोट इसलिए भी अहम है क्योंकि वे खुद हाल ही में एक लंबी इंजरी से वापसी कर रहे थे। इंग्लैंड दौरे पर जुलाई में तीसरे टी-20 के दौरान उन्हें बाएं हैमस्ट्रिंग में परेशानी हुई थी। जांच में ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग इंजरी सामने आई थी। इसके बाद वे इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहे और BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में रिहैबिलिटेशन किया। रिहैब के बाद उन्होंने तमिलनाडु प्रीमियर लीग में वापसी की। दिंडीगुल ड्रैगन्स के लिए अगस्त में खेले एक मैच में उन्होंने 4 ओवर में 34 रन दिए थे।

कुलदीप विकल्प थे, लेकिन निगम को चुना गया- वरुण की जगह चुनने के लिए विप्रज निगम और कुलदीप यादव विकल्पों में थे। BCCI सूत्र के मुताबिक दोनों उपलब्ध विकल्प थे, लेकिन कुलदीप को इसी महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है। इसलिए चयनकर्ताओं ने निगम को एशियन गेम्स के लिए चुना। इस तरह निगम को पहली बार भारतीय सीनियर टीम के स्तर पर मौका मिला है। 22 साल के निगम IPL में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं। वे लीग में अब तक 19 मैच खेल चुके हैं और 13 विकेट ले चुके हैं। वे केवल गेंदबाजी विकल्प नहीं हैं, बल्कि तेज रन बनाने की क्षमता भी रखते हैं। IPL में उनका स्ट्राइक रेट करीब 176 रहा है। वरुण के चोटिल होने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी-20 में रवि बिश्नोई को प्लेइंग-11 में मौका मिला।

रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हुए संजू सैमसन

एजेंसी » नई दिल्ली

भारत ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। मैच में फिफ्टी लगाने वाले भारतीय ओपनर संजू सैमसन अब रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हो गए हैं। वे बतौर ओपनर टी-20 इंटरनेशनल मैचों में हजार रन बनाने वाले पांचवे भारतीय बन गए। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफलगातार 10वां टी-20 मैच जीता। यह भारत का किसी एक टीम के खिलाफलगातार सबसे ज्यादा टी-20 जीत का रिकॉर्ड है। इसके अलावा मैच में कई इंटरेस्टिंग मोमेंट्स भी देखने को मिले। राशिद खान के एक ही ओवर में अभिषेक शर्मा और सैसमन छक्का लगाने के बाद अगली ही गेंद पर आउट हो गए।

बतौर ओपनर संजू सैमसन के टी-20 में हजार रन पूरे- संजू सैमसन टी-20 इंटरनेशनल में बतौर ओपनर हजार रन पूरे करने वाले पांचवे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम अब 1,026 रन हैं। रोहित शर्मा 3750 रन के साथ इस मामले में पहले स्थान पर हैं।

भारत से लगातार 10वां टी-20 हारा अफगानिस्तान- अफगानिस्तान ने एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह भारत के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा टी-20 मैच हारने वाली टीम बन गई है। अफगानिस्तान ने 2010 से 2026 के बीच भारत के खिलाफ लगातार 10 मैच गंवाए हैं।

नबी 2,500 रन और 100 विकेट पूरा करने वाले पहले अफगान- मोहम्मद नबी टी-20 इंटरनेशनल में 2,500+ रन बनाने और 100 से ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। साथ ही वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले अफगान क्रिकेटर भी हैं। उनके नाम 2,501 रन और 111 विकेट हैं।

व्यापार

मंडी में प्याज 9 दिन में 9 प्रतिशत सस्ती हुई : सरकार 35 किलो बेच रही, रिटेल मार्केट में 53.92 किलो पहुंची

एजेंसी » नई दिल्ली

देशभर की मंडियों में पिछले 9 दिन में प्याज की थोक कीमतें 9त्न तक गिर गई हैं। इससे आने वाले दिनों में रिटेल मार्केट में भी ये सस्ती हो सकती है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बुधवार को बताया कि देश में प्याज की कोई कमी नहीं है और सरकार 35 प्रति किलो के हिसाब से 48 शहरों तक प्याज पहुंचा रही है।

रिटेल मार्केट में 53.92 किलो मिल रही- सरकारी के मुताबिक, मंगलवार को देशभर में प्याज की औसत रिटेल कीमत 53.92 किलो है। यह कीमत एक महीने पहले के मुकाबले करीब 48% ज्यादा है।

वहीं पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 94% अधिक है। हालांकि, थोक मंडी में नरमी आने के बाद अब रिटेल मार्केट में भी रेट नीचे आने के संकेत मिलने लगे हैं।

48 शहरों में 35 किलो की दर से बिक रही- उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि ने NCCF, NAFED और केंद्रीय भंडार के रिटेल आउटलेट्स के जरिए बाजार से कम कीमत पर 35 किलो प्याज बेचना शुरू किया था। इसके अलावा, आम लोगों तक सीधे पहुंच बनाने के लिए मोबाइल वैन का भी सहारा लिया जा रहा है। अब तक देश के करीब 48 शहरों में यह सुविधा पहुंचाई जा चुकी है।

कांदा एक्सप्रेस और बफर स्टॉक से सप्लाई तेज- बाजार में प्याज की सप्लाई बढ़ाने और कीमतें कंट्रोल करने के लिए सरकार अपने 1.21 लाख टन

के बफर स्टॉक का इस्तेमाल कर रही है। प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड के तहत 24 अगस्त से बफर स्टॉक का प्याज बाजार में उतारा जा रहा है।

प्याज जल्दी और सही समय पर मंडी पहुंचाने के लिए सड़कों के साथ-साथ रेलवे की स्पेशल मालगाड़ियों यानी कांदा एक्सप्रेस का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अगस्त में प्याज की महंगाई दर 48.27% पहुंची- सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त महीने में प्याज की महंगाई दर में तेज बढ़ोतरी देखी गई। जुलाई महीने में जहां प्याज की महंगाई दर 22.54% थी। वहीं, अगस्त में यह उछलकर 48.27% पर पहुंच गई। इसी वजह से सरकार को हस्तक्षेप करते हुए बफर स्टॉक जारी करना पड़ा और सस्ती दरों पर बिक्री शुरू करनी पड़ी।

साल के इस समय क्यों बढ़ते हैं प्याज के दाम- हर साल अगस्त से सितंबर के दौरान प्याज की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। इसके पीछे मुख्य रूप से तीन बड़े कारण होते हैं:

त्योहारी सीजन में मांग का बढ़ना: रक्षाबंधन, गणेश उत्सव और आगामी त्योहारों के कारण खपत बढ़ती है।

मौसम और लॉजिस्टिक्स: बारिश की वजह से सप्लाई चेन प्रभावित होती है और मंडियों तक माल देरी से पहुंचता है। फसल का चक्र: पुरानी फसल का स्टॉक खत्म होने लगता है और नई खरीफ फसल आने में थोड़ा समय होता है।

कुल उत्पादन में मामूली कमी, आपूर्ति पर्याप्त- कीमतों में आई तेजी के बावजूद इस साल देश में प्याज का कुल उत्पादन लगभग स्थिर रहा है। साल 2025-26 में कुल प्याज उत्पादन 307.37 लाख टन रहने का अनुमान है, जो इससे पिछले साल के 307.67 लाख टन से थोड़ा ही कम है। सरकार का कहना है कि देश में प्याज का पर्याप्त स्टॉक है।

चांदी 2418 बढ़कर ?2.29 लाख किलो पर पहुंची

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 16 सितंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 992 रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी 2,418 रुपए महंगी होकर 2.29 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले कल सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही थी। सोने के दाम 1,036 रुपए घटकर 1.51 लाख रुपए पर आ गया था। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 179 रुपए कम होकर 2.29 लाख रुपए पर आ गई है।

इस साल सोना 19 हजार महंगा हुआ- इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 18 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब करीब 2.31 लाख रुपए पर आ गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोने-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव- बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है: एक्सपर्ट्स के अनुसार जब तक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के बाद ब्याज दरों को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो जाती तब तक कीमतों पर दबाव बना रह सकता है। हालांकि भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने को सपोर्ट मिल सकता है, जिससे निवेशक इसे सुरक्षित निवेश के रूप में फिर से चुन सकते हैं।

टिकटॉक के संस्थापक झांग यिमिंग गौतम अदाणी से निकले आगे

एजेंसी » नई दिल्ली

वैश्विक कारोबार और टेक्नोलॉजी की दुनिया से एक बड़ा उलटफेर सामने आया है। टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइटडांस के 43 वर्षीय संस्थापक झांग यिमिंग भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी को पछाड़कर एशिया के सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के नए आंकड़ों के मुताबिक, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की वैश्विक लहर और टेक वैल्यूएशन में आए उछाल के दम पर झांग यिमिंग की कुल संपत्ति 105 अरब डॉलर (10,500 करोड़ डॉलर) के पार पहुंच गई है।

यह बदलाव केवल दो अरबपतियों की वेल्थ रैंकिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पारंपरिक उद्योगों से टेक्नोलॉजी व्द्ध संचालित व्यवसायों की ओर दौलत के बड़े हस्तांतरण का स्पष्ट संकेत है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में ब्लैकरॉक, फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स और टी. रो प्राइस जैसी प्रमुख वैश्विक निवेश फर्मों द्वारा बाइटडांस के वैल्यूएशन में संशोधन किया गया। इस नए मूल्यांकन विश्लेषण के बाद यिमिंग की व्यक्तिगत संपत्ति में चालू महीने में ही 12 अरब डॉलर से अधिक का भारी उछाल दर्ज किया गया। अगर ऐतिहासिक आंकड़ों को देखें, तो मार्च 2019 में दर्ज 13 अरब डॉलर की संपत्ति की तुलना में यिमिंग की नेटवर्थ में आठ गुना से भी ज्यादा की ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर, हाल के महीनों में भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी की संपत्ति पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर दिखा है। जून में अदाणी की कुल संपत्ति 120 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर तक पहुंच गई थी। हालांकि, एमएससीआई इंडेक्स में शेयरों के रिबैलेंसिंग, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और बॉन्ड यील्ड में तेजी के कारण बाजार में हुई बिकवाली से अदाणी समूह के शेयरों में गिरावट आई। नतीजतन, अदाणी के एनर्जी-टू-रिटेल साम्राज्य का मूल्यांकन कम हुआ और वे एशियाई रैंकिंग में शीर्ष स्थान से फिसल गए।

सोने की हॉलमार्किंग शुल्क में 67 फीसदी वृद्धि, 45 से बढ़ाकर 75 रुपये हुआ

एजेंसी » नई दिल्ली

त्योहारी मौसम से ठीक पहले भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोने और चांदी के आभूषणों पर हॉलमार्किंग शुल्क बढ़ा दिया है। सोने के लिए यह शुल्क 45 रुपये से बढ़ाकर 75 रुपये कर दिया गया है, जो करीब 67 फीसदी की वृद्धि है। हालांकि, चांदी के आभूषणों के लिए शुल्क 35 रुपये प्रति वस्तु पर बरकरार रखा गया है। इस तत्काल प्रभाव से लागू हुए फैसले पर आभूषण उद्योग ने चिंता जताई है। यह वृद्धि 14 सितंबर, 2026 को जारी बीआईएस (हॉलमार्किंग) संशोधन विनियम, 2026 के माध्यम से अधिसूचित की गई है। संशोधित अनुसूची द्ध के तहत, ज्वैलर्स को प्रति वस्तु 75 रुपये का हॉलमार्किंग शुल्क देना होगा। प्रत्येक खेप के लिए न्यूनतम शुल्क 200 रुपये निर्धारित किया गया है। चांदी की वस्तुओं के लिए, ज्वैलर्स को मान्यता प्राप्त परख और हॉलमार्किंग केंद्रों (एएचसी) को प्रति वस्तु 35 रुपये का शुल्क देना होगा। चांदी के लिए प्रति खेप न्यूनतम शुल्क 150 रुपये तय किया गया है। बीआईएस हॉलमार्किंग आभूषणों में उपयोग की जाने वाली कीमती धातु की शुद्धता को सत्यापित करती है। यह भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के तहत वस्तु को प्रमाणित करती है। इसमें तीन मुख्य निशान होते हैं: बीआईएस लोगो, कैरेट या मिलिसीमल शुद्धता, और छह अंकों का अल्फान्यूमेरिक कोड जिसे हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन (एचयूआईडी) नंबर कहते हैं। अखिल भारतीय रत्न और आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) ने इस कदम पर चिंता व्यक्त की है। GJC ने सरकार और BIS से इस निर्णय की तत्काल समीक्षा करने का आग्रह किया है। उन्होंने हितधारकों के साथ परामर्श लंबित रहने तक मौजूदा शुल्क को बनाए रखने की मांग की है। GJC के अध्यक्ष राजेश रोकड़े ने कहा कि उद्योग ने हमेशा हॉलमार्किंग का समर्थन किया है। उनका मानना है कि शुद्धता का आश्वासन और उपभोक्ता विश्वास कारोबार के लिए मौलिक हैं। लेकिन अनिवार्य अनुपालन की लागत में लगभग 67 फीसदी की वृद्धि बिना जांच के नहीं होनी चाहिए।

शुल्क वृद्धि क्यों हुई, उद्योग क्या जानना चाहता है?- राजेश रोकड़े ने सवाल उठाया कि हॉलमार्किंग की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है। ऐसे में प्रति वस्तु शुल्क 45 रुपये से बढ़ाकर 75 रुपये क्यों किया जा रहा है, यह उद्योग जानना चाहता है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता नकली हॉलमार्किंग, अनधिकृत संचालन और गैर-अनुपालन के मुद्दों को संबोधित करना होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सेना ने ईरान का बारूदी सुरंग से टकराने का दावा किया खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने सोमवार को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) के दावे को खारिज कर दिया। ईरान ने कहा था कि

होर्मुज जलडमरूमध्य में एक तेल टैंकर समुद्री बारूदी सुरंग से टकरा गया। अमेरिका ने इसे गलत बताया। अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) के मुताबिक, पनामा के ध्वज वाला यह जहाज पहले भी ईरान के निशाने पर आ चुका है। पिछले महीने उस पर हमला हुआ था। इसके बाद सप्ताहांत में भी उसे निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का यह दावा कि पनामा के ध्वज वाले तेल टैंकर की समुद्री बारूदी सुरंग से टकराने की बात गलत है। सेंटकॉम ने बताया कि पनामा के ध्वज वाला तेल टैंकर एल गैया पिछले महीने ईरानी मिसाइल की चपेट में आया था। इससे जहाज चलने की हालत में नहीं रहा था। सप्ताहांत में ईरान ने इस टैंकर पर फिर हमला किया। इस बार ड्रोन से हमला किया गया। उस समय जहाज ओमान के तट के पास समुद्र में था। अमेरिका के मुताबिक, फिलहाल एक क्षेत्रीय सहयोगी की मदद से टैंकर को खींचकर ले जाया जा रहा है। सेंटकॉमम ने आईआरजीसी के दावे को झूठा बताया। उसने कहा कि यह जहाजों को डराने और दबाव बनाने की एक और कोशिश है। अमेरिका के मुताबिक, ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों की आवाजाही रोकने की कोशिश कर रहा है। ईरान ने मार्च में होर्मुज जलडमरूमध्य से आवाजाही पर रोक लगाई थी। यह कदम 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त सैन्य कार्रवाई के जवाब में उठाया गया था। अमेरिका के बयान से पहले ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी फार्स न्यूज ने आईआरजीसी के हवाले से खबर दी थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि एक तेल टैंकर समुद्री बारूदी सुरंग से टकरा गया। इसके बाद जहाज में विस्फोट हुआ और आग लग गई। फार्स ने बताया था कि यह जहाज पनामा के ध्वज वाला एमटी एल गैया था। एल गैया वही जहाज है, जिस पर सप्ताहांत में ओमान के तट के पास हमला हुआ था। जहाज के चालक दल में कुल 14 भारतीय नागरिक थे। इनमें से 13 को बचा लिया गया है। एक भारतीय सदस्य अभी लापता है। उसकी तलाश जारी है।

मध्यावधि चुनाव से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति का बैन निरस्त, डाक मतपत्र मामले में क्या निर्णय

वाशिंगटन, अल्बानी, एजेंसी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मेल मतपत्र प्रतिबंधों को फिलहाल खारिज कर दिया। इस निर्णय से राज्यों को अपनी पुरानी मेल मतपत्र प्रक्रियाओं को जारी रखने की अनुमति मिल गई है। यह फैसला मध्यावधि चुनावों में मतदान शुरू होने के बीच आया है। ट्रंप प्रशासन कांग्रेस पर नियंत्रण के लिए नवंबर के चुनावों से पहले इन प्रतिबंधों को लागू करना चाहता था। जस्टिस सैमुअल एलिटो और जस्टिस क्लेरेंस थॉमस ने इस संक्षिप्त आदेश का विरोध किया। जस्टिस ब्रेट कवानुघ ने प्रतिबंधों को मध्यावधि चुनावों के लिए लागू न करने पर सहमति जताई। हालांकि, उन्होंने बाद में ट्रंप प्रशासन के पक्ष में फैसला सुनाने का संकेत दिया। यह मामला महत्वपूर्ण है क्योंकि देश का लगभग एक तिहाई हिस्सा मेल द्वारा मतदान करता है। चुनाव अधिकारियों ने कहा कि मध्यावधि चुनावों से पहले पूर्ण बदलाव करना संभव नहीं था। अलाबामा, उत्तरी कैरोलिना और विस्कॉन्सिन ने पिछले सप्ताह ही मतदाताओं को मेल मतपत्र भेजना शुरू कर दिया था। उस समय भी नई प्रणाली सक्रिय नहीं थी। ट्रंप ने लंबे समय से मेल मतदान का विरोध किया है। उन्होंने 2020 के चुनाव में जो बाइडेन से अपनी हार के लिए इसे गलत तरीके से दोषी ठहराया था। हालांकि, वह खुद अक्सर इसी तरीके से मतदान करते रहे हैं, जिसमें इस साल भी शामिल है। ट्रंप प्रशासन की योजना में राज्यों को एक समान लिफाफा शैली अपनानी थी। उन्हें योग्य मतदाताओं की सूची एक ऑनलाइन माध्यम पर जमा करनी होती। पोस्टल सर्विस उन राज्यों को मतपत्र देने से मना कर सकती थी जो नियमों का पालन नहीं करते। एक व्हिसलब्लोअर रिपोर्ट ने इस प्रणाली पर चिंता जताई थी। रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन माध्यम ठीक से नहीं बना था।

कभी भारत को तोड़ा था अब खुद टूटेगा ब्रिटेन: एक साथ आए स्कॉटलैंड

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की तीन स्वायत्त संसदों स्कॉटलैंड, उत्तरी आयरलैंड और वेल्स के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने सोमवार को एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसमें वेस्टमिंस्टर के नियंत्रण से मुक्त होने और अपने-अपने क्षेत्रों की स्वतंत्रता की दिशा में आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की गई है। समझौता ज्ञापन में कहा गया है, 'इन द्वीपों में राजनीतिक परिदृश्य बदल रहा है। पहली बार ऐसा हुआ है कि स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड में ऐसे प्रथम मंत्री हैं, जो सभी यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता के पक्ष में प्रतिबद्ध हैं। दुनिया भर में इसे देखने वाले लोगों के लिए इससे बड़ा संकेत नहीं हो सकता कि वेस्टमिंस्टर का दौर अब समाप्ति की ओर है।' स्कॉटलैंड के प्रथम मंत्री जॉन स्विनी, वेल्स के उनके समकक्ष रून आप इओरवर्थ और उत्तरी आयरलैंड की प्रथम मंत्री मिशेल ओ'नील ने कार्डिफ में आयोजित शिखर सम्मेलन के दौरान इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। आयरलैंड में विपक्ष की नेता

और सिन फेन की अध्यक्ष मैरी लू मैकडोनाल्ड भी इसकी चौथी हस्ताक्षरकर्ता बनीं। समझौता ज्ञापन में कहा गया है, 'हमारे राष्ट्रों को आत्मनिर्णय का अधिकार है। किसी भी वेस्टमिंस्टर सरकार को लोकतंत्र को रोकने या इस सिद्धांत को कमजोर करने का अधिकार नहीं है कि हमारे लोग अपने भविष्य का फैसला खुद करेंगे।' इस समझौते में यह भी कहा गया है कि प्रत्येक राष्ट्र को लोकतांत्रिक तरीके से और अपने लोगों की इच्छा के अनुरूप अपने भविष्य का निर्धारण करने का अधिकार है। मई में वेल्स की संसद (सेनेड) के चुनाव में प्लाइड कमरी की जीत ने 1999 में स्वायत्त शासन की शुरुआत के बाद से वेल्स की सरकार पर चले आ रहे लेबर पार्टी के लगातार नियंत्रण को समाप्त कर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि पहली बार ब्रिटेन की तीनों स्वायत्त संसदों में सबसे बड़े दल स्वतंत्रता के समर्थक बन गए।

ब्रिटिश सरकार से संवैधानिक बदलाव की तैयारी की मांग

समझौते में कहा गया है, 'हम अपनी सरकार से मांग करते हैं कि वह प्रत्येक क्षेत्र में संवैधानिक बदलाव के लिए तैयारी करे, योजना बनाए और उसे संभव बनाने में सहयोग करे।' समझौता ज्ञापन में अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संसाधनों जैसे क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई गई है। इसके साथ ही इसमें यह सहमति भी व्यक्त की गई है कि इन राष्ट्रों का भविष्य यूरोपीय संघ में है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम का मानना है कि यूनाइटेड किंगडम को एकजुट रहना चाहिए। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि प्रधानमंत्री का ध्यान 'संवैधानिक बहसों' के बजाय जीवन-यापन की बढ़ती लागत से पैदा हुए संकट को कम करने पर है।

कंजरवेटिव पार्टी ने बैठक को बताया 'अलगाववादी सम्मेलन'

कंजरवेटिव पार्टी की शैडो स्कॉटिश सचिव हैरियट क्रॉस ने इस बैठक को 'अलगाववादी सम्मेलन' करार दिया। उन्होंने इसे महज 'दिखावे के लिए आयोजित फोटो खिंचवाने का कार्यक्रम' बताया।

अंतरिक्ष में जंग की तैयारी: अमेरिका ने माना- ऑर्बिट में हैं हथियार, दुश्मन के सैटेलाइट को बना सकते हैं निशाना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पुष्टि की है कि उसके हथियार अंतरिक्ष में तैनात हैं। अमेरिकी स्पेस फोर्स ने सोमवार को कहा कि ऐसी क्षमताएं पहले से ही कक्षा में मौजूद हैं और जरूरत पड़ने पर शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का मुकाबला करने के लिए इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। युद्ध का दायरा धरती से आगे अंतरिक्ष तक तेजी से बढ़ रहा है और इसी बीच अमेरिका ने पहली बार अपेक्षाकृत स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि उसके पास कक्षा में तैनात सैन्य क्षमताएं मौजूद हैं। अमेरिकी स्पेस फोर्स के एक प्रवक्ता ने बताया कि इन प्रणालियों का उद्देश्य अंतरिक्ष में अमेरिकी बलों के खिलाफ होने वाली शत्रुतापूर्ण गतिविधियों का मुकाबला करना है। हालांकि, उन्होंने इन हथियारों या उनकी क्षमताओं से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया।

अंतरिक्ष में मौजूद हैं 'स्पेस कंट्रोल' हथियार

स्पेस फोर्स के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका के पास ऐसे 'ऑन-ऑर्बिट स्पेस कंट्रोल हथियार' हैं, जो शत्रु की कार्रवाई से अमेरिकी संयुक्त बलों की रक्षा करने में सक्षम हैं। स्पेस फोर्स के अनुसार, 'स्पेस कंट्रोल' के तहत ऐसे अभियान आते हैं, जिनका मकसद अंतरिक्ष क्षेत्र में किसी विरोधी की क्षमताओं को चुनौती देना और अंतरिक्ष के रणनीतिक इस्तेमाल पर

नियंत्रण बनाए रखना है। इसके लिए काइनेटिक और नॉन-काइनेटिक, दोनों तरह के उपायों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

स्पेस फोर्स ने यह भी स्पष्ट किया कि इन क्षमताओं का इस्तेमाल केवल रक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि आक्रामक उद्देश्यों के लिए भी किया जा सकता है।

चीन और रूस से बढ़ रही अंतरिक्ष में प्रतिस्पर्धा अंतरिक्ष में वर्चस्व की होड़ अब अमेरिका, चीन और रूस की सैन्य क्षमताओं से तेजी से प्रभावित हो रही है। अमेरिका की नजर में चीन और रूस दोनों ही अंतरिक्ष में उसके हितों के लिए संभावित खतरे हैं। अमेरिकी स्पेस फोर्स के मुताबिक, चीन अपनी सैन्य आधुनिकीकरण रणनीति के तहत अंतरिक्ष और 'काउंटरस्पेस' क्षमताओं का विकास और संचालन कर रहा है। वहीं, रूस अंतरिक्ष को युद्ध के एक अहम क्षेत्र के रूप में देखता है और उसका मानना है कि भविष्य के संघर्षों में अंतरिक्ष पर वर्चस्व निर्णायक भूमिका निभाएगा। अंतरिक्ष का सैन्यीकरण कोई नई घटना नहीं है। इसकी शुरुआत अंतरिक्ष की दौड़ के साथ ही हो गई थी। 1957 में सोवियत संघ के स्पुतनिक उपग्रह के प्रक्षेपण के बाद अमेरिका और मॉस्को ने उपग्रहों को हथियारों से लैस करने के साथ-साथ उन्हें नष्ट करने की संभावनाओं पर भी काम शुरू कर दिया था।

ट्रंप को चुनौती देगा कनाडा: अमेरिका से निवेश खींचने की तैयारी में कार्नी, समिट में जुटेंगे 300 दिग्गज सीईओ

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि कारखाने और निवेश दक्षिण की ओर यानी अमेरिका आएं। वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को उम्मीद है कि वे अरबों डॉलर का निवेश उत्तर की ओर यानी कनाडा की तरफ ला सकते हैं। इस हफ्ते कार्नी के 'कनाडा इन्वेस्टमेंट समिट' के लिए दुनिया की कुछ सबसे बड़ी इन्वेस्टमेंट कंपनियों के लगभग 300 सीईओ और सीनियर एग्जीक्यूटिव टोरंटो के यॉर्कविले इलाके में मौजूद 'फोर सीजन्स' होटल में इकट्ठा हो रहे हैं। ये निवेशक मिलकर 120 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा की संपत्ति का प्रबंधन करते हैं। इससे उस पूंजी के बड़े पैमाने का पता चलता है जिसे कार्नी हासिल करना चाहते हैं, क्योंकि कनाडा अरबों डॉलर का नया निवेश आकर्षित करने और अमेरिका पर अपनी आर्थिक निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है। पिछले हफ्ते अल्बर्टा के बैनफ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्नी ने कहा, 'कनाडा की पहचान सिर्फ अमेरिका के पड़ोस में होने तक सीमित नहीं है। हमारे पास वह सब कुछ है जिसकी दुनिया को जरूरत है।' कार्नी ने कनाडा के विशाल ऊर्जा और जरूरी खनिजों के संसाधनों, वहां के पढ़े-लिखे वर्कफोर्स और उन ट्रेड एग्रीमेंट्स की ओर इशारा किया, जिनकी वजह से कनाडा में मौजूद कंपनियों को दुनिया भर में लगभग 1.5 अरब ग्राहकों तक पहुंच मिलती है। कनाडा को भरोसा है कि वह ट्रंप का सामना कर सकता है और अपने निवेश के स्रोतों में विविधता ला सकता है। लेकिन यह शिखर सम्मेलन कनाडा के लिए एक नाजुक समय पर हो रहा है। व्यापार वार्ता 21 अगस्त को विफल हो गई, जिसके बाद ट्रंप ने लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर के कनाडाई सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। कनाडा ने जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद वाशिंगटन ने फिर से दबाव बढ़ाते हुए कुछ कनाडाई आयात पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की और बड़े, दीर्घकालिक अमेरिकी सरकारी अनुबंधों से कनाडाई उत्पादों को बाहर करने की दिशा में कदम उठाए।

ट्रंप के टैरिफ और मैन्युफैक्चरिंग को बॉर्डर के दक्षिण में ले जाने की कोशिशें उस चीज को कमजोर कर रही हैं, जो लंबे समय से विदेशी निवेशकों के लिए देश के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक थी। कॉन्टिनेंटल फ्री ट्रेड के तहत विशाल अमेरिकी बाजार तक भरोसेमंद पहुंच।

जब ईरान में गिरा अमेरिकी वायुसेना अफसर का विमान; टूटी हड्डियां, 7000 फीट चढ़ाई; 50 घंटे...

वाशिंगटन, एजेंसी। 2 अप्रैल को अमेरिकी सेना ने अपने इतिहास के सबसे बड़े सर्च एंड रेस्क्यू अभियानों में से एक को अंजाम दिया। यह अभियान तब शुरू किया गया, जब ईरान की एक कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल ने अमेरिका के एफ-15ई स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान को मार गिराया। इस हमले के कारण विमान में सवार दो अमेरिकी वायु सेना अधिकारियों को दुश्मन की जमीन पर इजेक्ट करना पड़ा। पायलट को

कुछ ही घंटों के भीतर सुरक्षित बचा लिया गया, वहीं उनका ब्रावो लगभग 50 घंटों तक दुश्मन की सीमा के अंदर फंसा रहा। घायल अवस्था में ईरान की एक 7,000 फीट की दुर्गम पहाड़ी चढ़ी और वहीं दरार में छिपा रहा, जिसके बाद उसे वहां से सुरक्षा कारणों से गैर-उड़ान अधिकारी की पहचान गुप्त रखी गई है और उसे मिशन कॉल साइन डूड 44 ब्रावो के नाम से जाना जा रहा है।

उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से इस घटना पर बात की है। सीबीएस के 60 मिनट्स के साथ एक इंटरव्यू में ब्रावो ने अपने जीवित बचने की इस कहानी को आधुनिक समय का चमत्कार बताया है। इस्फहान के दक्षिण में पहाड़ी इलाके में था मिशन अमेरिकी सेना का नेतृत्व कर रहे यूएस सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर के अनुसार, उस रात उनका मिशन इस्फहान के दक्षिण में एक पहाड़ी इलाके के पास स्थित उद्योगों को निशाना बनाना था, जहां माना जाता है कि ईरान अपनी अत्यधिक संवर्धित परमाणु सामग्री रखता है। ब्रावो ने उस दिन को याद करते हुए कहा कि वह हमारे लिए युद्ध का एक आम दिन था, जब तक कि हम एक ईरानी हथियार की चपेट में नहीं आ गए। अमेरिका का 30 मिलियन डॉलर का फाइटर जेट एफ-15, जो दशकों से अमेरिकी हवाई युद्ध अभियानों का अहम हिस्सा रहा है, एक ऐसी मिसाइल का शिकार हुआ जिसकी कीमत महज एक लाख डॉलर थी। ब्रावो ने मिसाइल टकराने के पल को मालगाड़ी से टकराने जैसा बताया।

मदीना में मिला 11 करोड़ टन यूरेनियम भंडार: सऊदी अरब के दावे से हलचल, पूरा होने जा रहा एमबीएस का सपना

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने मदीना के जबल सईद क्षेत्र में करीब 11 करोड़ टन अयस्क संसाधन मिलने का दावा किया है, जिसमें भारी दुर्लभ मृदा तत्वों के साथ यूरेनियम की भी उत्साहजनक मात्रा बताई गई है। सोमवार को सामने आई मीडिया रिपोर्टों में सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान के हवाले से यह जानकारी दी गई। यह खोज सऊदी अरब की विजन 2030 के तहत ऊर्जा और खनिज संसाधनों में विविधता लाने की कोशिश तथा अमेरिका के साथ उसके नागरिक परमाणु सहयोग के बीच सामने आई है। क्षेत्रीय स्तर पर ईरान के साथ तनाव के बीच यह खोज सऊदी अरब के ऊर्जा और रणनीतिक महत्व को और बढ़ा सकती है।

सऊदी ऊर्जा मंत्री के मुताबिक, मदीना के जबल सईद परियोजना में किए गए खनन और भूगर्भीय अध्ययनों से करीब 11 करोड़ टन अयस्क के संसाधनों का अनुमान सामने आया है। इस अयस्क में दुर्लभ मृदा खनिजों, खासकर भारी तत्वों की मात्रा अधिक पाई गई है। इसके साथ ही इसमें यूरेनियम की भी उत्साहजनक मात्रा मौजूद होने के संकेत मिले हैं। अरब न्यूज ने प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान के हवाले से बताया कि जबल सईद परियोजना में हुई खोज और भूगर्भीय अध्ययन से इन संसाधनों का पता चला है। यूरेनियम की मौजूदगी वाला यह भंडार सऊदी अरब के लिए ऊर्जा और खनिज क्षेत्र में रणनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। यूरेनियम की खोज की यह घोषणा ऐसे समय हुई है, जब सऊदी अरब में क्षेत्रीय तनाव बढ़ा हुआ है। सऊदी अरब

इस्लाम के दो सबसे पवित्र स्थलों–मक्का और मदीना–का घर है। इस्लामी इतिहास में मदीना का विशेष महत्व है। पैगंबर मुहम्मद ने 622 ईस्वी में मक्का से मदीना की हिजरत की थी और इसके बाद मदीना इस्लाम के शुरुआती और महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित हुआ।

सऊदी अरब पर ईरान की ओर से उसके यहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने होने को लेकर निशाना साधे जाने की स्थिति रही है। दूसरी ओर, यमन में सक्रिय और फिर से मजबूत हो रहे हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सऊदी अरब की समुद्री पहुंच के लिए भी चुनौती पैदा की है। मध्य पूर्व में जारी युद्ध की पृष्ठभूमि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद से जुड़ी है। अमेरिका और इजरायल का आरोप रहा है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में है। वहीं, तेहरान लगातार यह दावा करता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और नागरिक उद्देश्यों के लिए है।

सऊदी अरब को मध्य पूर्व में सुन्नी शक्ति का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जबकि ईरान शिया शक्ति का बड़ा केंद्र है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से क्षेत्रीय प्रभाव और रणनीतिक वर्चस्व को लेकर प्रतिस्पर्धा रही है। ऐसे में सऊदी अरब के लिए अपने ऊर्जा और खनिज संसाधनों को मजबूत करना आर्थिक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। सऊदी अरब दुनिया की सबसे बड़ी अरब अर्थव्यवस्था है और पिछले कुछ वर्षों में उसने अपनी अर्थव्यवस्था को पारंपरिक तेल क्षेत्र पर निर्भरता से बाहर निकालने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। किंगडम ऊर्जा और खनिज संसाधनों में विविधता लाने के साथ-साथ घरेलू स्तर पर यूरेनियम के निष्कर्षण और नागरिक परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को भी आगे बढ़ा रहा है। यह प्रयास सऊदी अरब की महत्वाकांक्षी 'विजन 2030' योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र में विविधता लाना तथा तेल पर निर्भरता कम करना है। प्राकृतिक अयस्क में यूरेनियम की मौजूदगी की यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इससे पहले अमेरिका और सऊदी अरब के बीच नागरिक परमाणु कार्यक्रम विकसित करने को लेकर समझौता हुआ था। दोनों देशों ने जुलाई में इस समझौते के साथ एक द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए थे।

डर ना फैलाएं: एआई की रफ्तार रोकने पर चीन का दो टूक जवाब, कहा- सुरक्षा जरूरी लेकिन विकास भी

बीजिंग, एजेंसी। एआई से मानवता को खतरे को लेकर टेक दिग्गजों की ओर जताई गई चिंता अब दुनियाभर में एक बड़ी बहस का रूप लेती जा रही है। कोई खतरों को ज्यादा गंभीर नहीं मान रहा तो कोई सुरक्षा उपाय मजबूत करने पर जोर दे रहा है।

एआई के संभावित खतरों को देखते हुए इसकी विकास गति घटाने के लिए एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई के सुझाव पर चीन ने कड़ी आपत्ति जताई है। चीन का कहना है कि एआई के खतरे के नाम पर डर फैलाना और विकास की रफ्तार रोकना सही नहीं है। वह एआई सुरक्षा नियम लागू करने के पक्ष में तो है लेकिन बिना एआई के तेज विकास को रोके। अमोदेई के लेख पर प्रतिक्रिया देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सभी पक्षों को सुरक्षा के मुद्दे पर मिलकर काम करना चाहिए। विदेश मंत्रालय

प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने सोमवार को कहा, डर फैलाना, टकराव बढ़ाना वैश्विक एआई नियमन की प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाएगा, जिससे किसी का भला नहीं होने वाला। एआई की होड़ में पीछे न रहने का संकेत देने वाला चीन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था, अगर हमने एआई के विकास की गति धीमी की तो चीन से बहुत पीछे रह जाएंगे। चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने चीन पर चिप प्रतिबंध जारी रखने के अमोदेई के सुझाव को एआई क्षेत्र में शीत युद्ध का हिस्सा बताया है। उसका कहना है कि दरअसल इसके पीछे अमेरिका का उद्देश्य एआई तकनीक पर अपना एकाधिकार जमाना है। एजेंसी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक में एआई के नियमन जैसे मुद्दों पर चर्चा संभव है। जिनपिंग ने चीन को ओपन-सोर्स एआई अगुआके तौर पर पेश किया है। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि एआई की रफ्तार रोकने की कोशिश घिनौनी साजिश है। खुद को बेलगाम एआई के खिलाफ मजबूत सुरक्षा कवच करार देते हुए ट्रंप ने कहा, अमेरिका के पास स्मार्ट राष्ट्रपति है। चीन के एआई डेवलपर्स ओपन-वेट मॉडलों को बढ़ावा दे रहे हैं। उनका तर्क है कि साइबर सुरक्षा टीमें रक्षात्मक काम के लिए इन मॉडलों की जांच, बदलाव और इस्तेमाल आसानी से कर सकती हैं। मई में साइबरस्पेस नियामक ने डेवलपर्स के लिए एआई एजेंट का अनुचित व्यवहार पहचानने, उसे रोकने, उसमें हस्तक्षेप करने और स्थिति को संभालने की अपनी क्षमता में सुधार करने को कहा था। चीन के सुरक्षा मंत्रालय के प्रमुख चेन यिक्सिन ने आगाह किया है कि एआई चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सत्ता पर पकड़ के लिए सीधा खतरा पैदा कर सकता है।

ट्रंप जूनियर की शादी: पुतिन के करीबी ने उठाया था जश्न का खर्च

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बहू बेटिना ने सोमवार को बताया कि उनकी मई में हुई शादी के जश्न का कुछ खर्च रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी व्यक्ति ने उठाया था। बेटिना ने इंस्टाग्राम पर पति डोनाल्ड ट्रंप जूनियर के साथ जारी साझा बयान में उमर क्रेमलेव को अपना करीबी दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि क्रेमलेव ने शादी के बाद उनके लिए दो खास रातों के जश्न का खर्च उठाया था। बेटिना ने कहा कि यह दोस्त की ओर से शादी का बहुत बड़ा तोहफा था। उन्होंने कहा कि इसके लिए दोनों बेहद आभारी थे और आज भी हैं।जांच करने वाली गैर–लाभकारी वेबसाइट प्रोपब्लिका ने सोमवार को एक रिपोर्ट प्रकाशित की। रिपोर्ट के मुताबिक, बहामास में ट्रंप जूनियर और बेटिना एंडरसन की शादी का बड़ा हिस्सा उमर क्रेमलेव ने खर्च किया था। क्रेमलेव रूसी कारोबारी हैं। वह इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन के प्रमुख भी हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, क्रेमलेव ने शादी के लिए सैकड़ों हजार डॉलर खर्च किए। उन्होंने तीन दिन के कार्यक्रम के लिए दो निजी द्वीपों में से एक को किराये पर लिया। आतिशबाजी का खर्च भी उन्होंने ही दिया। बेटिना ने बताया कि उनकी शादी एक निजी समारोह में हुई थी। इसमें केवल दोनों के परिवार के लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि इसके बाद होने वाला पूरा सप्ताहांत पहले से ही दोस्तों के साथ मौज–मस्ती के लिए तय था। बेटिना के मुताबिक, यह सप्ताहांत पहले से ही दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए तय था। इसे शादी का कार्यक्रम नहीं बनाया गया था।

किंग की रिलीज डेट कंफर्म

24 दिसंबर को ही सिनेमाघरों में होगी रिलीज

बॉलीवुड के 'किंग' यानी शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन-ड्रामा फिल्म 'किंग' (King) को लेकर पिछले कुछ दिनों से मीडिया और सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें उड़ रही थीं। कहा जा रहा था कि दिसंबर 2026 में हॉलीवुड की कई बड़ी मेगा-बजट फिल्मों के टकराव के कारण 'किंग' की रिलीज डेट आगे बढ़ाई जा सकती है। हालांकि, अब खुद शाहरुख खान ने इन सभी खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर अपने मशहूर #AskSRK सेशन के दौरान सुपरस्टार ने स्पष्ट किया कि 'किंग' पूर्व निर्धारित तिथि 24 दिसंबर को ही दुनियाभर के थिएटर्स में दस्तक देगी।

SRK ने 'किंग' की रिलीज़ डेट कन्फर्म की

जब एक फैन ने शाहरुख खान से पूछा कि उनकी पिछली तीन फिल्में तीन साल पहले रिलीज़ हुई थीं, तो उन्होंने जवाब दिया, "अरे, इस तस्वीर को देखो! मैं बेचैन नहीं हूँ, मैं एक अच्छी फिल्म बना रहा हूँ... ताकि दिल को सुकून मिले... सब कुछ आ जाएगा... 24 दिसंबर से पहले।"

SRK ने 'किंग' के ट्रेलर का हिंट दिया

जब पूछा गया कि 'किंग' का ट्रेलर कब रिलीज़ होगा, तो शाहरुख खान ने लिखा, "अभी सिर्फ बात करूँगा, ट्रेलर बाद में... फिल्म में अभी 100 दिन बाकी हैं ना... 24 दिसंबर, ब्रो।"

एक और फैन ने उनसे 'किंग' के टीज़र और पोस्टर के बारे में पूछा। एक्टर ने जवाब दिया, "सिड तो बेचारा लगा हुआ है। थोड़ा समय लग रहा है... हम अपना बेस्ट देने की कोशिश कर रहे हैं ताकि आप सभी इसे एन्जॉय करें और #King के साथ गर्व और खुशी महसूस करें।"

'किंग' से जुड़ी कुछ खास बातें

सिद्धार्थ आनंद और सुजॉय घोष के निर्देशन/प्रोडक्शन में बन रही फिल्म 'किंग' कई मायनों में बेहद खास है: सुहाना खान का डेब्यू: इस फिल्म में शाहरुख खान पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। किंग खान का किरदार: रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में शाहरुख खान एक खतरनाक अंडरवर्ल्ड डॉन और मेंटर के किरदार में दिखाई देंगे। फिल्म के एक्शन सीन्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टंट डायरेक्टर्स द्वारा डिजाइन किया जा रहा है। शाहरुख खान के इस आधिकारिक बयान के बाद उनके करोड़ों फैंस के बीच खुशी का माहौल है और अब सभी को 24 दिसंबर 2026 का बेसब्री से इंतजार है, जब 'किंग' बड़े पर्दे पर धमाका करेगी।

राखी सावंत पर भड़कीं कंगना रनौत

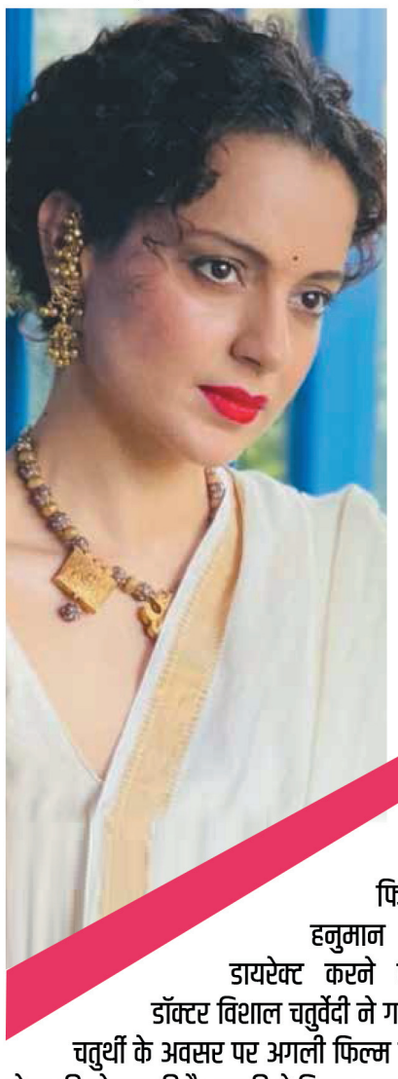

एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत, राखी सावंत के बयान पर भड़क गई हैं। राखी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक आपत्तिजनक कमेंट किया, जिस पर कंगना ने उन्हें फटकारते हुए कहा है कि ऐसे बयान देने वालों को कोई स्वीपर की नौकरी तक नहीं देगा।

कंगना रनौत ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, "सिर्फ यही (राखी) नहीं, बल्कि ज्यादातर नाकाम और जलने वाले लोग किसी कामयाब महिला के कैरेक्टर पर कीचड़ उछालकर अपनी जलन, ईर्ष्या, नाकामी और घटिया सोच को सही ठहराने की कोशिश करते हैं। लेकिन अब बहुत हो गया। ऐसी बार-बार और जानबूझकर की जाने वाली चरित्र हत्या और पब्लिक में बदनाम करने की कोशिशों को सहना बंद करना होगा। खुद को बेवजह अपमानित और आहत महसूस करना बंद करो और हर बात पर सफाई देना भी बंद करो।"आगे कंगना ने लिखा, "सफलता के लिए तुम भले ही अपना सबकुछ दांव पर लगा दो, लेकिन असली मजेदार बात तो ये है कि किसी को तुमसे कुछ चाहिए ही नहीं। तुम्हारे किए हुए सारे एहसान और सिफारिशें जोड़ लो, फिर भी तुम्हें स्वीपर की नौकरी तक नहीं मिलेगी क्योंकि उस नौकरी में भी थोड़ी काबिलियत और टैलेंट की जरूरत होती है। इसलिए ज्यादा खुशफहमी में मत रहो। एहसान करो या एहसान मत करो, तुम कहीं नहीं पहुंचने वालीं। अब चुपचाप बैठो, मेरी रील्स देखो और रोते रहो।"

हनुमान अंश मेकर्स की अगली फिल्म राम बोला पर विवाद

फिल्म हनुमान अंश डायरेक्ट करने वाले डॉक्टर विशाल चतुर्वेदी ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर अगली फिल्म राम बोला की घोषणा की है। उनकी ये फिल्म महाकवि तुलसीदास की जिंदगी पर आधारित होगी, लेकिन इसी दिन, इसी टाइटल पर दूसरी फिल्म की भी घोषणा हो गई, जिससे दो मेकर्स के बीच टाइटल का विवाद शुरू हो गया है। विवाद के बीच एसोसिएशन ने बताया है कि टाइटल किसके नाम रजिस्टर है। डायरेक्टर विशाल चतुर्वेदी ने प्रोडक्शन हाउस महावीर जैन के साथ राम बोला अनाउंस की। इसी समय डॉक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने भी फिल्म राम बोला की घोषणा की। पोस्ट में बताया गया कि इसे चंद्रप्रकाश द्विवेदी डायरेक्ट करेंगे, जबकि मधु मंटेना और मंदिरा द्विवेदी इसे प्रोड्यूस करेंगी।

एक ही टाइटल और एक ही टॉपिक पर दो फिल्में अनाउंस होने पर विवाद हो गया। इस विवाद पर महावीर जैन से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा है कि फिल्म राम बोला का टाइटल डॉक्टर विशाल चतुर्वेदी के नाम पर रजिस्टर है। वह कुछ समय पहले महावीर जैन के पास इस फिल्म का आइडिया लेकर पहुंचे थे, जिसके बाद इस फिल्म पर काम शुरू हुआ। फिल्म बनाने के राइट्स विशाल चतुर्वेदी और महावीर जैन प्रोडक्शन के पास हैं। चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने विशाल चतुर्वेदी द्वारा फिल्म की घोषणा करने पर आपत्ति जताई और कहा कि इस फिल्म के टाइटल के राइट्स उनके पास हैं। उन्होंने दावा किया है कि कुछ समय पहले ही उन्होंने महावीर जैन से इस फिल्म पर बातचीत की थी,जिसके बाद उन्होंने खुद इस फिल्म पर अधिकार जताते हुए इसकी घोषणा कर दी, जबकि राइट्स उनके पास हैं। चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने एक इंटरव्यू में दावा किया है कि वो पिछले कुछ महीनों से महावीर जैन से इस फिल्म पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने महावीर जैन को एक मेल और 8 मिनट का एक वीडियो भी भेजा था। चंद्रप्रकाश द्विवेदी का कहना है कि अब इस विवाद का फैसला राइटर एसोसिएशन और अदालत में होगा। विवाद के बीच अब फिल्म एसोसिएशन IMPAA (इंडियन मोशन पिक्चर आर्टिस्ट एसोसिएशन) का एक नोट सामने आया है, जिसमें साफ है कि राम बोला टाइटल विशाल चतुर्वेदी ने रजिस्टर करवाया है।

Raccoon City में फिर मचेगा खौफ

हॉरर और वीडियो गेम फ्रेंचाइजी के प्रशंसकों के लिए 'Resident Evil' इस सप्ताह सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली बड़ी फिल्मों में शामिल है। Zach Cregger के निर्देशन में बनी यह फिल्म 18 सितंबर को रिलीज होगी। फिल्म में Austin Abrams मुख्य भूमिका में हैं, जबकि Zach Cherry, Kali Reis और Paul Walter Hauser भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

Sony Pictures इसे Resident Evil फ्रेंचाइजी की एक नई और अलग कहानी के रूप में पेश कर रहा है। यह मूवी सेकंड रीबूट और Resident Evil फिल्म सीरिज की 8वीं फिल्म है। फिल्म की कहानी Bryan (Austin Abrams) नाम के एक मेडिकल कूरियर की है। वह एक सामान्य डिलीवरी के सिलसिले में Raccoon City पहुंचता है, लेकिन वहां हालात अचानक भयावह हो जाते हैं। संक्रमण फैलने के बाद शहर में अराजकता मच जाती है और Bryan खुद को खतरनाक जीवों के बीच फंसा पाता है। अब उसकी सामान्य डिलीवरी एक ऐसी survival journey में बदल जाती है, जहां हर पल जान का खतरा है। उसे इस तबाह हो चुके शहर से निकलने का रास्ता तलाशना है और उस भयावह रात में जिंदा बचना है। फिल्म की कहानी में Raccoon City, संक्रमण और Umbrella से जुड़े तत्व Resident Evil की पहचान को बनाए रखते हैं, लेकिन मुख्य किरदार Bryan और उसकी कहानी नए हैं।

हैवान देखने के बाद ज़्यादातर दर्शक हुए निराश

बॉलीवुड की क्राइम थ्रिलर फिल्म हैवान सिनेमाघरों में रिलीज़ हो चुकी है। इस फिल्म को लेकर सिनेमाघरों से लौटे दर्शकों की प्रतिक्रिया बिल्कुल अलग रही। फिल्म हैवान को देखने के बाद ज़्यादातर दर्शक काफी निराश नज़र आए। उनका कहना है कि रिलीज़ से पहले जिस तरह से इसको लेकर प्रचार किया गया था, फिल्म उससे बिल्कुल अलग है और उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी।

एक दर्शक ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा, फिल्म देखकर मैं अभी बहुत दुखी हूं, क्योंकि इसको लेकर जो शोर मचा था, वैसी बिल्कुल भी नहीं है। इसमें ज्यादा कुछ देखने के लिए नहीं है, बल्कि यह एक नॉर्मल कहानी है। उन्होंने आगे कहा, थिएटर में मौजूद दर्शकों को देखकर पता चला कि वे कितने बोर हुए हैं और वो बोरियत आधे घंटे में ही पता चल जाती है। मूवी देखकर लगता है कि शायद सेकंड हाफ में अच्छी होगी, फिर जब वो देखते हैं, तो लगता है कि पहला पार्ट ही ठीक था। दर्शक ने सैफ अली खान के अभिनय की प्रशंसा की, लेकिन अक्षय कुमार को कॉमेडी करने की नसीहत दी। उनका कहना था कि फिल्म देखकर नहीं लग रहा था कि ये कोई क्राइम थ्रिलर फिल्म थी, और अक्षय कुमार ने भी विलेन के रोल में अच्छा काम नहीं किया है। एक और दर्शक ने अपनी गहरी नाराज़गी जाहिर करते हुए कहा, सुबह-सुबह फिल्म देखकर मूड खराब हो गया है। मैं अनाड़ी, तू खिलाड़ी की यादें ताजा करके फिल्म देखने आए थे, सोचा था कि कुछ नया देखने को मिलेगा। उन्होंने फिल्म से हैवानियत या थ्रिल की कमी पर टिप्पणी करते हुए कहा,उन्हें कुछ तो हैवानियत दिखानी चाहिए थी। दर्शक ने फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन पर भी अपनी निराशा व्यक्त की, जो अपनी कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा, प्रियदर्शन सर की मूवी है, वे इतनी कॉमेडी फिल्म सारी फिल्म दे चुके हैं। उनसे ये उम्मीद नहीं थी। लगी ही नहीं रही थी इनकी फिल्म है। अभिनय के बारे में बात करते हुए, इस दर्शक ने भी सैफ अली खान के प्रदर्शन को सराहा। उन्होंने कहा, सैफ अली खान की एक्टिंग अच्छी थी। लग रहा था कि उन्होंने कुछ डाला है, लेकिन अक्षय कुमार को देखकर लग रहा था कि ये ऐसे ही काम कर रहे हैं। ऐसा लग रहा था कि दूसरी फिल्मों की शूटिंग के बीच में उन्होंने इस फिल्म में काम किया है।

'रामायण' का पहला गाना 'जय जय राम' रिलीज

अपकमिंग फिल्म 'रामायण' का पहला गाना 'जय जय राम' रिलीज हो गया है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म दो भागों में रिलीज होगी। गाने को श्रेया घोषाल और अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है। इसके म्यूजिक को ए.आर. रहमान ने कंपोज, प्रोड्यूस और अरेंज किया है। गाने के लिरिक्स डॉ. कुमार विश्वास ने लिखे हैं। इस फिल्म के म्यूजिक पर ए.आर. रहमान के साथ हॉलीवुड के म्यूजिक कंपोजर हंस जिमर भी काम कर रहे हैं।

'जय जय राम' के विजुअल्स में सिया-राम के दिव्य संबंध को दिखाया गया है। गाने में भगवान राम और सीता के भव्य विवाह को भी दर्शाया गया है। गाने में भक्ति और आध्यात्मिक भाव को प्रमुखता दी गई है।

गाने में 'जय जय राम' का बार-बार दोहराव किया गया है, जो इसे मंत्र की तरह प्रस्तुत करता है। लिरिक्स में भगवान राम के प्रति भक्त की आस्था, भरोसे और उनकी शरण में जाने की भावना व्यक्त की गई है।

गाने की एक पंक्ति 'जगत के अंधियारे, हमको घेरे सारे' जीवन के अंधकार के बीच रोशनी की तलाश को दर्शाती है। गाने में 'अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम' जैसे पारंपरिक श्लोक का भी इस्तेमाल किया गया है। इससे रामायण की ऐतिहासिक और धार्मिक पृष्ठभूमि को आधुनिक संगीत से जोड़ा गया है।

बता दें कि नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' के पहले पार्ट का ट्रेलर 30 जुलाई को सुबह 4:15 बजे, ब्रह्म मुहूर्त के शुभ अवसर पर दुनिया भर में लॉन्च किया था। 'रामायण' के ट्रेलर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम समेत कई भाषाओं में एक साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज किया गया था।

पति ने किया सेलिना जेटली को बेटों से दूर

बॉलीवुड अभिनेत्री सेलिना जेटली इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। पति पीटर हाग से चल रहा उनका विवाद लगातार चर्चा में बना हुआ है। इसी बीच अभिनेत्री अपने बेटों से भी दूर हैं। बच्चों से दूरी का दर्द सेलिना की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में साफ नजर आया। सोमवार को उन्होंने अपने बेटों विंस्टन, विराज और आर्थर के नए स्कूल वर्ष की शुरुआत पर उनके लिए एक भावुक संदेश साझा किया। सेलिना ने बच्चों के साथ अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें भी पोस्ट कीं और बताया कि इस खास दिन पर वह उनके साथ मौजूद नहीं हैं। कुछ दिनों पहले एक्ट्रेस ने अपने मृत बेटे शमशेर को भी याद किया था।

सेलिना ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह यह संदेश इसलिए सार्वजनिक रूप से साझा कर रही हैं, क्योंकि फिलहाल वह सीधे अपने बेटों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। उन्होंने बच्चों के स्कूल के पहले दिन को याद करते हुए कहा कि वह उनके साथ एक सुबह का प्यार भरा गले लगना, एक किस और उनका 'बाय, मम्मी' सुनने के लिए कुछ भी कर सकती हैं। अभिनेत्री ने अपने बच्चों के स्कूल से जुड़े पुराने पलों को भी याद किया। उन्होंने बताया कि कभी वह बच्चों की स्कूल की किताबों पर कवर चढ़ाया करती थीं। दुबई में उन्होंने उनके लिए लेडीबर्ड वाली

शुल्टुटेन तैयार की थीं। वहीं ऑस्ट्रिया में स्कूल शुरू होने से पहले उन्होंने बच्चों के लिए प्यार से श्नेके और लाड़ी पाव भी बनाए थे। सेलिना के मुताबिक, ये देखने में भले ही रोजमर्रा के छोटे-छोटे पल थे, लेकिन उनके लिए इन्हीं में

करीना कपूर और पृथ्वीराज की टक्कर

18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में एक ऐसी फिल्म दस्तक देने जा रही है, जिसका सबसे बड़ा आकर्षण सिर्फ इसकी स्टारकास्ट नहीं, बल्कि वह सवाल है जिसे यह कहानी दर्शकों के सामने रखने वाली है। नाम है 'दायरा'। मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी इस क्राइम थ्रिलर में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन पहली बार साथ नजर आएंगे। दोनों ऐसे पुलिस अधिकारियों की भूमिका में हैं, जिनके लिए अपराध और न्याय को देखने का नजरिया एक जैसा नहीं है। फिल्म का ट्रेलर संकेत देता है कि एक गंभीर अपराध के बाद शुरू होने वाली जांच धीरे-धीरे कानून, पुलिस कार्रवाई और इंसाफ की अलग-अलग परिभाषाओं के बीच टकराव में बदल जाती है। फिल्म में करीना कपूर खान डीसीपी अजूनी कोहली और पृथ्वीराज सुकुमारन डीसीपी रमन कुमार की भूमिका निभा रहे हैं। दोनों वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हैं, लेकिन एक गंभीर मामले की जांच के दौरान उनके विचार और जांच का तरीका अलग-अलग दिशा में जाता दिखाई देता है। ट्रेलर में एक जुवेनाइल क्राइम के बाद पैदा हुए हालात दिखाई देते हैं। मामला आगे बढ़ता है तो पुलिस की कार्रवाई और न्याय की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। अजूनी कोहली की भूमिका उस व्यवस्था पर सवाल उठाती दिखाई देती है, जबकि रमन कुमार का नजरिया कानून-व्यवस्था और अपराध से निपटने की अपनी व्यावहारिक सोच को सामने रखता है।

एक दिन, दो बेस्ट लीड एक्टर अवॉर्ड...

टीवी की दुनिया का ऑस्कर कहे जाने वाले एमी अवॉर्ड्स के 78वें संस्करण के विनर्स के नाम से पर्दा उठा चुका है। अलग-अलग केटेगरी में अवॉर्ड दिए गए। नोआ वायले, रिया सीहॉर्न, टॉम पेल्फ्री, एलिसन जैनी जैसे स्टार्स ने साल 2026 में इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को अपने नाम किया। हालांकि, इस अवॉर्ड सेरेमनी के हाइलाइट ब्रिटिश एक्टर मैथ्यू राइस रहे। उन्होंने एक नहीं, दो-दो अवॉर्ड अपने नाम किए हैं। खास बात ये है कि दोनों अवॉर्ड उन्हें बेस्ट लीड एक्टर के लिए मिला है।दरअसल, एमी अवॉर्ड्स में ड्रामा, कॉमेडी, लिमिटेड या एंथोलॉजी सीरीज जैसे अलग-अलग केटेगरी में बेस्ट एक्टर-एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया जाता है। मैथ्यू राइस ने लिमिटेड सीरीज और कॉमेडी सीरीज, दोनों ही केटेगरी में बेस्ट लीड एक्टर का अवॉर्ड जीत कर इतिहास रच दिया।मैथ्यू को बेस्ट लीड एक्टर का पहला अवॉर्ड कॉमेडी सीरीज विडोज बे के लिए मिला है। वहीं दूसरा अवॉर्ड बेस्ट लीड एक्टर के लिए ही क्राइम-थ्रिलर सीरीज द बीस्ट इन मी के लिए मिला है।

इन दोनों ही सीरीज में मैथ्यू राइस ने जबरदस्त काम किया था। उन्हें लोगों ने पसंद भी किया था। यही वजह है कि अब उन्हें दोनों ही सीरीज के लिए बेस्ट लीड एक्टर का अवॉर्ड दिया गया। सबसे खास बात ये है कि एमी के 78 साल के इतिहास में मैथ्यू पहले ऐसे एक्टर बन चुके हैं, जिन्होंने एक दिन में दो-दो बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड अपने नाम किया है। उनसे पहले किसी भी एक्टर ने क्या कारनामा नहीं किया था।बहरहाल, अगर बात दोनों सीरीज के ओटीटी प्लेटफॉर्म की करें तो आप 'विडोज बे को एपल टीवी पर देख सकते हैं। वहीं 'द बीस्ट इन मी' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर मौजूद है। बता दें कि 'विडोज बे के खाते में सिर्फ बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड ही नहीं गया, बल्कि टोटल 14 अवॉर्ड इस सीरीज ने अपने नाम किए हैं।

सेंसर सर्टिफिकेट में देरी के चलते 'लव लॉटरी' की रिलीज टली

अक्षय ओबेरॉय और हेली दारूवाला स्टारर फिल्म 'लव लॉटरी' की सिनेमाघरों में रिलीज एक हफ्ते के लिए आगे बढ़ा दी गई है। फिल्म को सेंसर सर्टिफिकेट मिलने में हुई देरी के चलते, 18 सितंबर को रिलीज होने वाली यह सस्पेंस थ्रिलर सोशल ड्रामा अब 25 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। कुलदीप भार्गव 'तुषार' द्वारा सिनेमा-गंज फिल्म्स के बैनर तले निर्मित और अरविंद पांडे द्वारा निर्देशित 'लव लॉटरी' अपने अलग विषय और कहानी को लेकर चर्चा में है। फिल्म आधुनिक रिश्तों, शादी, धोखे और रिश्तों से जुड़े कानूनी विवादों की परतों को सामने लाती है। कहानी में पुरुषों के अधिकारों के मुद्दे को भी अहम जगह दी गई है और इसे सस्पेंस, कोर्टरूम ड्रामा और सोशल कमेंट्री के साथ पेश किया गया है। फिल्म में अक्षय ओबेरॉय और हेली दारूवाला मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

नवा रायपुर में 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का भव्य शुभारंभ, 11 साल बाद छत्तीसगढ़ को मिली मेजबानी

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर (16 सितंबर 2026):

राजधानी नवा रायपुर (अटल नगर) में बुधवार को 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ। लगभग 11 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद छत्तीसगढ़ को इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है। दो दिवसीय सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने दीप प्रज्वलित कर किया।

' इलेक्शन ईयर बुक-2026' का विमोचन - उद्घाटन समारोह के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने 'Chhattisgarh Local Body Election Year Book-2026' के प्रथम संस्करण का विमोचन किया। यह प्रकाशन छत्तीसगढ़ में स्थानीय निकाय निर्वाचन की प्रक्रियाओं, उपलब्धियों, नवाचारों और चुनावी व्यवस्थाओं का एक प्रामाणिक एवं महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत करता है।

चुनाव प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक और पारदर्शिता पर जोर - सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने त्रिस्तरीय पंचायतों और स्थानीय निकायों की निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सशक्त, पारदर्शी, समावेशी और तकनीक-सक्षम बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में स्थानीय स्वशासी संस्थाओं की नींव सबसे अहम है, इसलिए इनके चुनाव प्रबंधन में निरंतर सुधार और आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग आवश्यक है।

वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों का हुआ संबोधन - राज्य निर्वाचन आयुक्त (छत्तीसगढ़) श्री अजय सिंह : अपने स्वागत भाषण में देशभर से आए राज्य निर्वाचन आयुक्तों व विशेषज्ञों का स्वागत किया और सम्मेलन के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

मुख्य सचिव श्री विकास शील : स्थानीय स्वशासन, निर्वाचन प्रक्रिया को सुगम बनाने तथा प्रशासन और निर्वाचन संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय के महत्व को रेखांकित किया। अन्य प्रमुख उपस्थिति : कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन आयुक्तों की स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री विजय देव ने विचार व्यक्त किए, जबकि संयोजक श्री सुधांशु पांडे ने आभार जताया। इस दौरान राज्य निर्वाचन आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी सहित देशभर के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

दूसरे दिन (17 सितंबर) के प्रमुख कार्यक्रम - स्टैंडिंग कमेटी की बैठक : नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय में स्थायी समिति की बैठक होगी। कैपिटल सिटी प्रस्तुतीकरण: नया रायपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी (NRDA) द्वारा नवा रायपुर के निर्माण और विकास मॉडल पर प्रस्तुति दी जाएगी। अतिथियों का स्थल भ्रमण : सम्मेलन में आए सभी अतिथियों को छत्तीसगढ़ विधानसभा, छत्तीसगढ़ आदिवासी संग्रहालय एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का भ्रमण कराया जाएगा।

रायपुर: रावतपुरा कॉलोनी फेज़-2 में अवैध निर्माणों पर चला नगर निगम का बुलडोजर, 40 से अधिक निर्माण ध्वस्त

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर: नगर पालिक निगम रायपुर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जोन-6 अंतर्गत रावतपुरा कॉलोनी (फेज़-2) में स्वीकृत ले-आउट के बाहर किए गए लगभग 40 अवैध निर्माणों को हटा दिया है। निगम आयुक्त संबित मिश्रा के सख्त निर्देश पर हुई इस कार्रवाई के बाद संबंधित बिल्डरों ने भविष्य में बिना अनुमति के कोई भी निर्माण न करने की बात कही है।

पुलिस बल की मौजूदगी में हुई कार्रवाई - यह अभियान जोन-6 के कमिश्नर हितेंद्र यादव के मार्गदर्शन और कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा की अगुवाई में निगम अधिकारियों एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया। अधिकारियों की मौजूदगी में ले-आउट का उल्लंघन कर बनाए गए अवैध ढांचों को हटाया गया।

जनशिकायतों के बाद लिया गया कड़ा संज्ञान - जोन कमिश्नर हितेंद्र यादव ने बताया कि क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे समय से जलभराव, नाली, स्ट्रीट लाइट और पेयजल व्यवस्था में आ रही समस्याओं को लेकर लगातार जनशिकायतें मिल रही थीं। जांच में पाया गया कि ले-आउट से बाहर बिना अनुमति किए गए अवैध निर्माणों की वजह से ही क्षेत्र का नागरिक ढांचा प्रभावित हो रहा था।

इन बिल्डरों के अवैध निर्माण पर हुआ एक्शन - अवैध निर्माणों को लेकर निगम द्वारा पूर्व में नियमानुसार नोटिस जारी किया गया था। नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद यह अभियान चलाया गया। इसमें शामिल प्रमुख बिल्डरों में मुनरपे, रहमत, ओग, धनु सोनकर, मनोज चक्रधारी, रवि त्रिपाठी, आशु त्रिपाठी, अनवर, चेतन देवांगन, सुभाष विश्वकर्मा, सुखराम चक्रधारी, अजय साहू, जय साहू, अजय माखीजा, बसंत सतवाने, तिस्थ साहू और गोपाल देवांगन शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान बिल्डरों ने आगे से बिना स्वीकृति कोई निर्माण कार्य न कराने का आश्वासन दिया है। निगम प्रशासन के अनुसार, इस प्रकरण में आगे भी नियमानुसार वैधानिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई जारी रहेगी।

'हनुमान अंश' फिल्म देखकर प्रेरित हुईं छात्राएं; विधायक पुरन्दर मिश्रा बोले— 'बच्चे भारत का भविष्य, उन्हें दें अच्छे संस्कार'

मुख्यमंत्री का जताया आभार : 'हनुमान अंश' को टैक्स फ्री करने से नीम करौली बाबा के आध्यात्मिक संदेशों का होगा व्यापक प्रसार।

अभिभावकों से अपील : बच्चों को केवल डांटें नहीं; उनके साथ संवाद स्थापित कर मित्रवत मार्गदर्शन दें।

छात्राओं के साथ देखी फिल्म: पंडरी स्थित मॉल में देवेन्द्र नगर कन्या महाविद्यालय की छात्राओं संग विधायक ने देखी फिल्म।

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर (16 सितंबर 2026):

रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने बुधवार को पंडरी स्थित सिटी सेंटर मॉल में संत गोविंदराम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय (देवेन्द्र नगर) की छात्राओं तथा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ फिल्म ' हनुमान अंश' देखी। फिल्म प्रदर्शन के दौरान उन्होंने युवाओं को सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और संस्कारपूर्ण सिनेमा से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

नीम करौली बाबा के विचारों से परिचित कराती है फिल्म

फिल्म देखने के उपरांत विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि 'हनुमान अंश' महान संत नीम करौली बाबा की जीवनगाथा और उनके आध्यात्मिक संदेशों को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है। इस तरह की फिल्में नई पीढ़ी को आध्यात्मिकता, सेवा भाव, सामाजिक सद्भाव और भारतीय सनातन परंपराओं के मूल्यों को समझने का सुनहरा अवसर प्रदान करती हैं।

अभिभावक बच्चों से बनाएं संवाद का वातावरण

युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए श्री मिश्रा ने कहा, ÷बच्चे और युवा ही भारत का भविष्य हैं। उनके मनोरंजन के साथ-साथ उनके विचारों और संस्कारों को सही दिशा देना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।÷ उन्होंने माता-पिता से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे अपने युवा होते बच्चों को सिर्फ डांटने के बजाय उनके मन की बात समझें, उनसे संवाद करें और विश्वास का वातावरण बनाकर उन्हें सकारात्मक मार्ग दिखाएं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का व्यक्त किया आभार

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने राज्य में 'हनुमान अंश' को टैक्स फ्री करने के निर्णय पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हृदय से आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से आम जनता और विद्यार्थी कम दरों पर इस प्रेरणादायी फिल्म को देख सकेंगे, जिससे नीम करौली बाबा के लोककल्याणकारी संदेश जन-जन तक पहुंचेंगे।

शिक्षकों और समाज से भी की अपील कार्यक्रम के अंत में विधायक ने उपस्थित प्राचार्यों, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को ऐसी नीतिपरक और प्रेरणादायी फिल्में देखने के लिए प्रेरित करें, ताकि समाज में सकारात्मकता और सांस्कृतिक चेतना का विस्तार हो सके। इस दौरान महाविद्यालय की छात्राएं, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि व नागरिक उपस्थित रहे।

17 सितंबर से छत्तीसगढ़ में शुरू होगा 'सेवा संकल्प अभियान' : बस्तर के वनांचलों तक पहुंचेगा जनकल्याण, मंत्री केदार कश्यप का ऐलान

अवधि : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) से 17 अक्टूबर तक चलेगा एक माह का विशेष अभियान।

प्रमुख गतिविधियां : रक्तदान, स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता अभियान और वृहद पौधारोपण कार्यक्रम।

विशेष फोकस : बस्तर के दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों, वनांचलों और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का लक्ष्य।

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर/जगदलपुर: भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक प्रदेशव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता केदार कश्यप ने अभियान का खाका प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाजपा के लिए राजनीति सत्ता का साधन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का संकल्प है।

माहभर चलेंगे सेवा और स्वच्छता के विविध कार्यक्रम अभियान के दौरान पूरे प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ता व्यापक जनभागीदारी के साथ सामाजिक सरोकार के कार्य करेंगे। मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि इस अवधि में: रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित होंगे। केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाकर पात्र हितग्राहियों को जोड़ा जाएगा। बस्तर के वनांचलों और जनजातीय समाज पर विशेष जोर बस्तर क्षेत्र में अभियान की भूमिका पर बात करते हुए मंत्री कश्यप ने कहा कि बस्तर की जनजातीय संस्कृति में सेवा, सामूहिकता और प्रकृति संरक्षण की परंपरा सदियों से है। अभियान के माध्यम से बस्तर के दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय बस्तियों तक पहुंचकर स्थानीय समाज को स्वास्थ्य, स्वच्छता और विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

'डबल इंजन' सरकार से बस्तर में बढ़ा विकास और विश्वास - केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में बस्तर आज शांति, विश्वास और प्रगति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पूर्व में हिंसा से प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएं अंतिम छोर तक पहुंच रही हैं।

जनआंदोलन बनाने का आह्वान - मंत्री केदार कश्यप ने भाजपा कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से अपील की है कि वे 17 सितंबर से शुरू हो रहे इस 'सेवा संकल्प अभियान' में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इसे मात्र एक संगठनात्मक कार्यक्रम न मानकर जनआंदोलन का रूप दें, ताकि 'विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित बस्तर' की नींव को और मजबूत किया जा सके।

रावतपुरा कॉलोनी कार्रवाई मामला: 'क्या मकान बनने का इंतजार कर रहा था निगम?' — नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने घेरा

निगम प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप: निर्माण के वक्त कहाँ सो रहे थे जिम्मेदार अधिकारी?

बिल्डरों पर हो कड़ी कार्रवाई : आम खरीदारों के सपनों के आशियाने पर बुलडोजर चलाना अनुचित।

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर (16 सितंबर 2026):

रावतपुरा कॉलोनी (फेज़-2) में नगर निगम द्वारा 40 अवैध निर्माणों पर की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई पर अब सियासत गर्मा गई है। रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने इस कार्रवाई को निगम की नाकामी और भ्रष्ट तंत्र की मिलीभगत करार दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब महीनों से मकान बन रहे थे, तब जिम्मेदार अधिकारी क्या निर्माण पूरा होने का इंतजार कर रहे थे?

÷एक दिन में नहीं बनते मकान, शुरुआती दौर में क्यों नहीं रोका?÷

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा कि वे अवैध निर्माण के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन निगम की यह कार्रवाई पूरी तरह जनता विरोधी है। उन्होंने सवाल किया, ÷एक मकान बनने में 2 से 4 महीने लगते हैं। जब नींव खुदती है और कॉलम खड़े होते हैं, तब जोन के इंजीनियर और वार्ड के अधिकारी कहाँ होते हैं? नक्शा और ले-आउट शुरुआत में चेक क्यों नहीं किया गया? यह कार्रवाई निगम की मुस्तैदी नहीं, बल्कि अधिकारियों की सांठगांठ और वसूली पूरी न होने का परिणाम लगती है।÷

बिल्डरों की धोखाधड़ी की सजा आम जनता को क्यों?

आकाश तिवारी ने कहा कि क्षेत्र में जलभराव, सड़क और पेयजल से जुड़ी जनशिकायतें काफी समय से आ रही थीं, लेकिन निगम ने समय रहते कोई सुधार नहीं किया। आम नागरिक अपनी जीवन भर की गाढ़ी कमाई लगाकर घर खरीदते हैं। ऐसे में यदि बिल्डरों ने ले-आउट का उल्लंघन कर धोखाधड़ी की है, तो कार्रवाई बिल्डर पर होनी चाहिए, न कि गाढ़े पसीने की कमाई से घर बनाने वाले आम नागरिकों पर।

नेता प्रतिपक्ष की 3 प्रमुख मांगें: नियमितीकरण योजना हो लागू : नगर निगम तत्काल 'राजीनामा और नियमितीकरण' की योजना को स्थायी रूप से चालू करे, ताकि नागरिक नियमानुसार शुल्क जमा कर छोटे-मोटे अतिरिक्त निर्माण को वैध करवा सकें। इससे निगम के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। दोषी बिल्डरों पर हो कठोर एक्शन: धोखाधड़ी करने वाले बिल्डरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और आम खरीदारों को सुरक्षा दी जाए। सुधार का अवसर मिले : तोड़फोड़ से पहले नोटिस जारी कर नागरिकों को सुधार का पर्याप्त मौका दिया जाए। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार और निगम की चुनी हुई परिषद से मांग की है कि राजधानी के आसपास बने ऐसे हजारों मकानों के लिए एक सरल और व्यावहारिक नीति बनाई जाए, ताकि किसी भी गरीब व मध्यमवर्गीय परिवार के आशियाने पर बुलडोजर न चले।

ओजोन परत संरक्षण दिवस: स्वामी आत्मानंद विद्यालय बलरामपुर में 125 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

रोहित यादव / बलरामपुर (जनता के गोठ) : छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर के निर्देशन में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, बलरामपुर में ओजोन परत संरक्षण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ओजोन परत के महत्व और उसके संरक्षण के उपायों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर निबंध, चित्रकला, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें 125 विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में मनीषा कुमारी प्रथम, रोशनी द्वितीय और सुमन तृतीय रहीं। चित्रकला में आरती सिंह एवं पायल सिंह ने संयुक्त रूप से प्रथम, प्राजंलि एवं जाहनेआरा ने द्वितीय तथा ज्योति प्रजापति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में अरविंद यादव ने बाजी मारी, जबकि लकी राम दूसरे और प्रमिला तीसरे स्थान पर रहीं। क्विज में भी मनीषा कुमारी ने पहला स्थान हासिल कर दोहरी सफलता अर्जित की। इस स्पर्धा में पूजा सिंह द्वितीय और प्रमिला सिंह तृतीय रहीं। संस्था के प्राचार्य चंद्रशेखर प्रसाद गुप्ता और प्रभारी रविशंकर श्रीवास ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति सजग रहने और ओजोन परत की सुरक्षा में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया गया।

रायगढ़ में राज्य महिला आयोग की समीक्षा बैठक: महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकार हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता — डॉ. ममता साहू

महिला सशक्तिकरण एवं बाल संरक्षण: योजनाओं का समयबद्ध लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने के कड़े निर्देश।

त्वरित कार्रवाई पर जोर : महिला व बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता और विभागीय अमले के बीच बेहतर समन्वय अनिवार्य।

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर / रायगढ़ (16 सितंबर 2026): छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने रायगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं और विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान एवं उनके अधिकारों की रक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जरूरतमंद महिलाओं को हर परिस्थिति में त्वरित सहायता, विधिक संरक्षण और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए।

योजनाओं का समयबद्ध लाभ और मैदानी निगरानी - डॉ. ममता साहू ने कहा कि शासकीय योजनाओं और सेवाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब जमीनी स्तर पर विभागीय अमले के बीच बेहतर समन्वय हो। उन्होंने मैदानी स्तर पर योजनाओं की नियमित निगरानी करने तथा पात्र हितग्राहियों तक समय पर सहायता पहुँचाने पर विशेष बल दिया।

संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश - समीक्षा बैठक के दौरान महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं, बाल संरक्षण व्यवस्था, विधिक सहायता, संरक्षण एवं परामर्श सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली गई। आयोग की अध्यक्ष ने महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में पूर्ण संवेदनशीलता बरतते हुए त्वरित वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे: - इस समीक्षा बैठक में जिला पंचायत सभापति (महिला एवं बाल विकास) श्रीमती सुषमा खलको, एमआईसी (महिला एवं बाल विकास) श्रीमती त्रिवेणी डहरे, जिला परियोजना अधिकारी श्री अरुण कुमार पांडेय, महिला संरक्षण अधिकारी सुश्री चैताली राय, केंद्र प्रशासक सुश्री निहारिका पटनायक सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com